हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 02, अंकः-226, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, गुरुवार 30 जनवरी 2025

ज्ञान और विज्ञान का संतुलन आवश्यकःआरिफ मोहम्मद...02

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोर लापता, गुमशुदगी दर्ज...06

मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर महाकुंभनगर में भगदड़, 30 मरे 60 घायल

तीसरा विकल्प न्यूज़ - कन्हैया सिंह

महाकुंभ नगर। मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर बुधवार को बेरीकेडिंग टूटने की घटना के बाद मची भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गयी जबकि 60 अन्य गंभीर रुप से घायल हो गये। पुलिस उपमहानिरीक्षक वैभव कृष्ण ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी देते हुये कहा कि मरने वालों में 25 की शिनाख्त कर ली गयी है जबकि पांच की शिनाख्त के प्रयास किये जा रहे है। कुछ घायलों के परिजन अपने मरीज को लेकर चले गये है जबकि 36 का इलाज स्थानीय मेडिकल कालेज में किया जा रहा है। उन्होने बताया कि ब्रह्म मुहुर्त से पूर्व प्रात- एक से दो बजे के बीच मेला क्षत्र में अखाडा मार्ग पर भारी भीड़ का दवाब बना और भीड़ के इस दवाब में दूसरी ओर के बेरीकेड टूट गये और लोग बेरीकेड फांद कर दूसरी ओर आ गये जहां श्रद्धालु ब्रहम मुहुर्त का इंतजार कर रहे थे, भीड़ ने उन्हे नहीं देखा और उनको कुचलना शुरु कर दिया। यद्यपि प्रशासन ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य करते हुये भीड़ को काबू किया और एबुंलेंस से 90 घायलों को अस्पताल पहुंचाया लेकिन इसमें 30 श्रद्धालु की मौत हो गयी। श्री कृष्ण ने बताया कि मरने वालों में से 25 की पहचान हो चुकी है जबकि अन्य की शिनाख्त की जानी बाकी है। इनमे से कर्नाटक के चार,असम और एक गुजरात का एक एक श्रद्धालु शामिल है। कुछ घायलों को परिवार के सदस्य लेकर चले गये हैं तथा 36 घायलों का इलाज स्थानीय मेडिकल कालेज में चल रहा है।

महाकुंभ भगदड़ पर भावुक हुए योगी, कहा- 30 मौतों की जांच न्यायिक आयोग करेगा, मृतकों के परिजन को 25-25 लाख का मुआवजा

प्रयागराज। सीएम योगी ने महाकुंभ भगदड़ पर प्रतिक्रिया दी है। इस दौरान वह काफी भावुक दिखे। उन्होंने कहा कि 30 के आस-पास मौतें हुई हैं। मैं इस घटना से बहुत दुखी हूं। मेरी संवेदना सभी मृतकों के परिजन के साथ है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख की आर्थिक मदद की घोषणा की। न्यायिक जांच के आदेश भी दिए। योगी ने कहा कि घटना की न्यायिक जांच के लिए हमने तीन सदस्यीय कमेटी गठित की है। जिसमें जस्टिस हर्ष कुमार, पूर्व डीजी वीके गुप्ता और रिटायर्ड आईएएस डीके सिंह की अध्यक्षता में आयोग बनाया गया है। न्यायिक आयोग एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपेगा। इस संबंध में मुख्य सचिव और डीजीपी खुद प्रयागराज का दौरा करेंगे। योगी ने कहा 36 घायलों का इलाज प्रयागराज के अस्पताल में चल रहा है। भगदड़ की घटना इसलिए हुई क्योंकि भीड़ ने अखाड़ा मार्ग की बैरिकेडिंग तोड़ दी थी। पुलिस, एनडीआरएफ और बचाव दलों ने घायलों को अस्पताल भेजा। प्रशासन सभी बंद मार्गों को खुलवाने में तत्परता से लगा रहा। मौनी अमावस्या पर पवित्र स्नान करने के लिए कल शाम 7 बजे से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज में एकत्र हुए थे। अखाड़ा मार्ग पर एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना हो गई। जिसमें 90 से अधिक लोग घायल हो गए और 30 लोगों की मौत हो गई। हमने इतने श्रद्धालुओं के आने की पर्याप्त व्यवस्था की थी। पुलिस के स्तर से इसकी अलग से जांच कराएंगे। सीएम ने कहा कि प्रयागराज में आज 8 करोड़ लोगों का दबाव था। आस-पास के जिलों में भी लोगों को यहां आने के लिए रोका गया था। इतना भारी दबाव पहली बार देखने को मिला। मौनी अमावस्या पर मुहूर्त सुबह 4 बजे से था। प्रशासन के अनुरोध पर अखाड़ों ने अमृत स्नान स्थगित कर दिया। मिर्जापुर, भदोही और जौनपुर जिलों में होर्डिंग बनाकर श्रद्धालुओं को रोका गया। सभी अखाड़ों के स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं को छोड़ा जा रहा है। रेलवे ने महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिए लगभग 300 से अधिक ट्रेनें अभी तक चलाई हैं।

महाकुंभ में पहली बार एक मंच पर आए तीन पीठों के शंकराचार्य, जारी किया संयुक्त धर्मादेश

महाकुंभ नगर। महाकुंभ में पहली बार देश के तीन पीठों के शंकराचार्य एक ही मंच पर मिले और सनातन के लिए संयुक्त धर्मादेश जारी किया। धर्मादेश में देश की एकता, अखंडता, सामाजिक समरसता और सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण निर्णय किए गए। वहीं, शंकराचार्यों ने आह्वान किया कि महाकुंभ पर्व पर प्रत्येक सनातनी को प्रयागराज आना चाहिए। उन्होंने महाकुंभ के भव्य आयोजन के लिए योगी सरकार और प्रशासन को आशीर्वाद भी दिया। महाकुंभ में देश के तीन पीठों के शंकराचार्यों ने पहली बार मंच साझा किया है। महाकुंभ में चल रही परम धर्म संसद के शिविर में तीन पीठों के शंकराचार्यों ने समवेत रूप से एक संयुक्त धर्मादेश भी जारी किया है। श्रृंगेरी शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी विधु शेखर भारती जी, द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी और ज्योतिष पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज ने परम धर्मसंसद में हिस्सा लिया और सनातन संस्कृति की रक्षा और उन्नयन के लिए 27 धर्मादेश भी जारी किए। इस अवसर पर शंकराचार्य स्वामी सदानंद ने संस्कृत भाषा के महत्व पर जोर दिया।

महाकुम्भ का दूसरा अमृत स्नान मौनी अमावस्या पर सभी 13 अखाड़ों ने सादगी के साथ त्रिवेणी में लगाई पुण्य डुबकी

➲ अखाड़ों ने दिखाई संवेदनशीलता, पहले श्रद्धालुओं को कराया अमृत स्नान फिर सांकेतिक स्नान कर पूरी की परम्परा ➲ अखाड़ों से पहले शंकराचार्यों ने भी लगाई संगम में पुण्य डुबकी, श्रद्धालुओं से संयम बरतने की अपील

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज महाकुम्भ का दूसरा अमृत स्नान पर्व संपन्न हो गया। मौनी अमृत स्नान पर्व पर घटी घटना के बाद अखाड़ों ने संवेदनशीलता दिखाते हुए पहले श्रद्धालुओं को अमृत स्नान करने का अवसर दिया और बाद में सांकेतिक रूप से अमृत स्नान किया। त्रिवेणी के तट पर लगे आस्था के महाकुम्भ का दूसरा अमृत स्नान पर्व सम्पन्न हो गया। प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक मौनी अमावस्या के अमृत स्नान पर्व पर शाम 6 बजे तक करोड़ों लोगों ने पुण्य की डुबकी लगाई। महाकुम्भ में घटी घटना के बाद अखाड़ों के संतों ने संवेदनशीलता दिखाई। यह पहला मौका था जब साधु-संतों, नागा सन्यासी और अखाड़ों ने संगम में ऐतिहासिक प्रथम स्नान की प्रतिज्ञा तोड़ दी। परिस्थिति को देखते हुए अखाड़ों ने अपने ब्रह्म मुहूर्त के अमृत स्नान को स्थगित कर दिया और श्रद्धालुओं को पहले स्नान का अवसर दिया। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी का कहना है कि सर्व सम्मति से सभी अखाड़ों ने निर्णय लिया कि हालात को देखते हुए पहले श्रद्धालुओं को अमृत स्नान का अवसर दिया जाय। स्थिति सामान्य होने पर अखाड़ों ने अपनी भव्य अमृत स्नान की परम्परा का त्याग कर दिया और सांकेतिक रूप से स्नान कर परम्परा का निर्वहन किया। महाकुम्भ के दूसरे अमृत स्नान मौनी अमावस्या पर देश के तीन पीठों के शंकराचार्यों ने भी त्रिवेणी के संगम में डुबकी लगाई। शंकराचार्य ने श्रद्धालुओं से संयम बनाए रखने की अपील की। श्रृंगेरी शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी विधु शेखर भारती, द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती और ज्योतिष पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मौनी अमावस्या अमृत स्नान पर्व पर त्रिवेणी संगम में पुण्य की डुबकी लगाई। तीनों पीठ के शंकराचार्य मोटर बोट के माध्यम से त्रिवेणी संगम पहुंचे, जहां पूरे धार्मिक विधि विधान से तीनों ने पुण्य की डुबकी लगाई और देश की जनता के कल्याण के लिए आशीष दिया।

कैबिनेट ने 16300 करोड़ रुपये के खनिज मिशन को मंजूरी दी, अश्विनी वैष्णव ने किया एलान

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्रीमंडल ने 16,300 करोड़ रुपये के खनिज मिशन को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को इसका एलान किया। इसके साथ ही कैबिनेट ने सी श्रेणी के भारी गुड़ से उत्पादित इथेनॉल की एक्स-मिल कीमत 56.28 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 57.97 रुपये प्रति लीटर करने को भी मंजूरी दे दी है। सरकार की ओर से निर्धारित इथेनॉल की कीमतें 2022-23 इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (नवंबर-अक्तूबर) के बाद से नहीं बढ़ाई गई थी। गन्ने के रस, बी-हैवी गुड़ और सी-हैवी गुड़ से उत्पादित इथेनॉल की वर्तमान दरें क्रमश: 65.61 रुपये, 60.73 रुपये और 56.28 रुपये प्रति लीटर हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को इस वर्ष 31 अक्तूबर को समाप्त होने वाली 2024-25 अवधि के लिए इथेनॉल की कीमतों का एलान किया। सी श्रेणी के भारी गुड़ से प्राप्त इथेनॉल की एक्स-मिल कीमत 1.69 रुपये बढ़ाकर 57.97 रुपये प्रति लीटर करने को मंजूरी दी गई। बी श्रेणी के भारी गुड़ और गन्ना रस/चीनी/चीनी सिरप से उत्पादित इथेनॉल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया। इनकी कीमतें क्रमश: 60.73 रुपये प्रति लीटर और 65.61 रुपये प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रखी गईं। इथेनॉल की कीमतें बढ़ाने का फैसला आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने ली। इसकी जानकारी देते हुए सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2024-25 के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के लिए इथेनॉल खरीद मूल्य में संशोधन को मंजूरी दी गई है। सरकार ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य भी 2030 से घटाकर इथेनॉल वर्ष 2025-26 कर दिया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है, इस दिशा में एक कदम उठाते हुए, तेल विपणन कंपनियों ने चालू ईएसवाई 2024-25 के दौरान 18 प्रतिशत इथेनॉल के मिश्रण की योजना बनाई है।

भाजपा को अपने काम पर चुनाव लड़ना चाहिए

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी(आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अपने काम पर चुनाव लड़ना चाहिए लेकिन वह दिल्ली के लोगों को बीमार करके चुनाव लड़ना चाहती हैं। श्री केजरीवाल ने बादली से प्रत्याशी अजेश यादव और तिमारपुर से प्रत्याशी सुरेंद्र पाल सिंह बिट्टू के समर्थन में जनसभा कर कहा, दिल्ली के लोगों ने हमें खूब प्यार और आशीर्वाद दिया। हम लोगों ने मिलकर जनता की सेवा में तन-मन-धन से लगे हुए है। हमने बिजली 24 घंटे कर दी। भाजपा की 20 राज्यों में सरकार है लेकिन एक भी राज्य में 24 घंटे बिजली नहीं आती है। अगर कमल का बटन दबा दिया तो जैसे इनके 20 राज्यों में बिजली गुल रहती है, वैसे ही दिल्ली में बिजली गुल हो जाएगी। पूरे देश में सबसे सस्ती बिजली दिल्ली में है।

प्रधानमंत्री मोदी बोले, यमुना का पानी प्रधानमंत्री भी पीता है

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस पर इस सदी के पहले 25 साल तक दिल्ली में सत्ता में रह कर राजधानी को को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुये बुधवार को कहा कि इस बार दिल्ली विधान सभा चुनाव में हार के डर से बौखलाई सत्तारूढ़ आप चाहती है कि जिस क्षेत्र में उसके प्रत्याशी न जीते, वहां कांग्रेस को जीत मिले, ताकि वे फिर मिल-जुल कर सरकार बना सकें। श्री मोदी ने कहा कि अब दिल्ली के मतदाताओं के पास इस स्थिति को बदलने का मौका है और भापजा दिल्ली में सत्ता में आने पर इसे विकसित दुनिया के एक मॉल शहर के रूप में विकसित करेगी। उन्होंने उत्तर पूर्वी दिल्ली के करतारनगर क्षेत्र में पार्टी द्वारा आयोजित रैली को संबोधित करते हुये दिल्ली में सत्तारूढ आप की सरकार को पूरी तरह भ्रष्टाचार में लिप्त और पूरी तरह विफल होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आप सरकार ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्टों को जनता से छुपाने का देश में एक अनूठा काम किया ताकि उसकी कारस्तानियों से पर्दा न उठे। प्रधानमंत्री ने दिल्ली में सरकार चला रही आप के लिये आप-दा की संज्ञा दोहराते हुये कहा कि उसके विधायकों के प्रति दिल्ली की जनता में जबरदस्त नाराजगी है। उन्होंने कहा, आप-दा को हार का एहसास हो चुका है, इनके हर विधायक को लेकर जनता में बहुत गुस्सा है। इसलिये आप-दा और कांग्रेस ने पर्दे के पीछे एक दूसरे से गठबंधन कर लिया है। आप-दा कोशिश कर रहे हैं कि उसका नहीं तो कांग्रेस का विधायक जीत जाये, ताकि बाद में मिलकर सत्ता हथियाने का काम हो जाये। उन्होंने कहा, ऐसे तो दिल्ली पर डबल आपदा आ जायेगी। प्रधानमंत्री ने दिल्ली की जनता से भाजपा के उम्मीदवारों का साथ देने की अपील करते हुये कैग की रिपोर्टें विधान सभा पटल से दूर रखने के लिये आप सरकार पर हमला बाला। उन्होंने कहा, इतिहास में पहली बार हम देख रहे हैं कि कोई सरकार कैग जैसी एक महत्वपूर्ण संस्था की अदनेखी कर रही है। आप सरकार ने कैग की रिपोर्टों को छुपाया क्योंकि वे जानते थे कि रिपोर्ट उनका पर्दाफाश करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने पर विधानसभा के पहले सत्र में ही कैग की ये रिपोर्टें प्रस्तुत की जायेंगी। श्री मोदी ने यह भी कहा कि आप-दा वाले कह रहे हैं कि हरियाणा वाले दिल्ली के पानी में जहर मिलाते हैं। उन्होंने कहा, यह सिर्फ हरियाणा का नहीं बल्कि भारतीयों का अपमान है, हमारे संस्कारों, हमारे चरित्र का अपमान है। यह वह देश है, जहां पानी पिलाना धर्म का कार्य माना जाता है। मुझे पक्का विश्वास है कि ऐसी ओछी बातें करने वालों को दिल्ली इस बार सबक सिखायेगी। इन आप-दा वालों की लुटिया यमुना जी में ही डूबेगी।

विजय चौक पर बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी पूरी हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के विजय चौक पर बुधवार शाम को बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी हुई। इसके साथ ही गणतंत्र दिवस के 4 दिन तक चलने वाले कार्यक्रमों का समापन हुआ। तीनों सेनाओं के साथ सीएपीएफ के बैंड ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सामने 30 फुट टैपिंग भारतीय धुनें बजाईं। समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह स्पीकर ओम बिड़ला सहित अन्य केंद्रीय मंत्री और आम जनता मौजूद रही। विजय चौक की सभी प्रमुख इमारतों को रंग-बिरंगी लाइटिंग से सजाया गया था। समारोह की शुरुआत में सेना द्वारा राष्ट्रपति को नेशनल सैल्यूट दिया। इसके बाद तिरंगा फहराया गया और राष्ट्रगान की धुन बजाई गई। तीनों सेनाओं के बैंड ने सेरेमनी की शुरुआत धुन कदम-कदम बढ़ाए जा बजाकर की। समारोह के मुख्य संचालक कमांडर मनोज सेबेस्टियन थे।

इसरो का 100वां प्रक्षेपण भारत की अंतरिक्ष यात्रा में महत्वपूर्ण उपलब्धि

श्रीहरिकोटा, एजेंसी। बुधवार की सुबह श्रीहरिकोटा से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सफल 100वें प्रक्षेपण पर अपनी पहली प्रतिक्रिया में केंद्रीय अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, जीएसएलवी-एफ15/एनवीएस-02 मिशन का प्रक्षेपण न केवल एक और ऐतिहासिक मील का पत्थर है, बल्कि 100वां प्रक्षेपण है जो भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

डॉ. जितेन्द्र सिंह ने ऐसे महत्वपूर्ण समय में अंतरिक्ष विभाग के साथ जुड़ने पर गौरवान्वित भावना व्यक्त की, विश्व इसरो द्वारा लगातार दर्ज की गई असाधारण उपलब्धियों से आश्चर्यचकित है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में इसरो के उल्लेखनीय परिवर्तन पर प्रकाश डाला। डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि इसरो की स्थापना 1969 में हुई थी, लेकिन 1993 में पहला लॉन्च पैड स्थापित करने में दो दशक से अधिक का समय लगा। दूसरा लॉन्च पैड 2004 में ही बना, जो एक दशक के लंबे अंतराल को दर्शाता है। हालांकि, पिछले 10 वर्षों मेंभारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में बुनियादी ढांचे और निवेश दोनों के मामले में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। उन्होंने बताया,यह 100वां प्रक्षेपण अंतरिक्ष क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है, जो पिछले छह दशकों में नहीं हुआ था। हम अब श्रीहरिकोटा में तीसरा लॉन्च पैड बना रहे हैं और पहली बार तमिलनाडु के तूतीकोरिन जिले में एक नए लॉन्च स्थल के साथ श्रीहरिकोटा से आगे बढ़ रहे हैं, जहां पिछले साल फरवरी में प्रधानमंत्री मोदी ने आधारशिला रखी थी। डॉ. जितेंद्र सिंह ने अंतरिक्ष में निजी क्षेत्र की भागीदारी में तेजी से हो रही वृद्धि पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया,2021 में, हमारे पास अंतरिक्ष स्टार्टअप की संख्या मुश्किल से एक अंक की थी। आजहम 300 के करीब हैं, जिनमें से कई विश्व स्तरीय उद्यम और उद्यमशीलता की सफलता की कहानियां हैं।

विजय चौक पर बीटिंग रिट्रीट, ढलते सूरज के साथ होगा गणतंत्र दिवस समारोह का समापन

नई दिल्ली, एजेंसी। हर साल की तरह इस बार भी गणतंत्र दिवस के बाद मनाया जाने वाला बीटिंग द रिट्रीट कार्यक्रम रायसीना हिल्स और विजय चौक पर जारी है। इस समारोह में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पारंपरिक रूप से बग्घी में सवार होकर विजय चौक पहुंची। उनके अलावा, बीटिंग रिट्रीट समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य नेता मौजूद हैं। बीटिंग द रिट्रीट की शुरुआत तीनों सेनाओं ने बैंड बजाकर की। इस समारोह में तीनों सेनाओं के बैंड लोकप्रिय मार्चिंग धुनें बजा रहे हैं। इस कार्यक्रम के होने का मतलब है गणतंत्र दिवस समारोह की औपचारिक घोषणा होती है। दरअसल 26 से लेकर 29 जनवरी के बीच विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है और सरकारी भवनों को रोशनी से जगमग किया जाता है। यह न सिर्फ गणतंत्र दिवस समारोह के समापन का प्रतीक है।

हिंदी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित
गुरुवार, 30 जनवरी, 2025

ज्ञान और विज्ञान का संतुलन आवश्यक :आरिफ मोहम्मद खान, राज्यपाल - बिहार

➪ लविवि में चल रहे आईएससीबी 2025 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ समापन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। भारतीय सभ्यता विश्व की सबसे प्राचीन और ज्ञान को सर्वोच्च स्थान देने वाली सभ्यता है। यह बात लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विभाग की तरफ से मालवीय सभागार में चल रहे तीन दिवसीय 3०वें इंडियन सोसाइटी ऑफ केमिस्ट एंड बायोलॉजिस्ट सम्मेलन में बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहीं। उन्होंने शास्त्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि ज्ञान-विज्ञान सहितम् यानी ज्ञान और विज्ञान का संतुलन आवश्यक है। राज्यपाल ने कहा कि एक हृदय को जीतना, हजार बार काबा जाने से अधिक महान कार्य है। उन्होंने ऋग्वेद के एक श्लोक आत्मनो मोक्षार्थं जगत हिताय च के जरिए स्वामी विवेकानंद को याद किया। उन्होंने कहा कि वह हमेशा यह श्लोक बोला करते थे। जिसका अर्थ है स्वयं के मोक्ष के लिए और संसार के कल्याण के लिए। उन्होंने कहा था कि ज्ञान की खोज ही जीवन का अंतिम उद्देश्य है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सभी को दूसरों के कल्याण के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सम्मेलन नए विचारों और संवादों के लिए मंच प्रदान करते हैं। राज्यपाल ने कहा कि अगर उन्हें वैज्ञानिक सत्रों में भाग लेने का आमंत्रण मिलता तो उन्हें और अधिक प्रसन्नता होती। क्योंकि वह नई चीजें सीखने के लिए हमेशा उत्सुक रहते हैं।

राज्यपाल ने विवि परिसर का पैदल किया भ्रमण

कार्यक्रम समाप्त होने के बाद राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने विवि परिसर के एक हिस्से का पैदल भ्रमण किया। वह मालवीय सभागार से पैदल रसायन विज्ञान विभाग की ओर चले और परिसर के दृश्यों का आनंद लिया। उन्होंने विभाग के मल्टी एक्टिविटी रूम में वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ दोपहर का भोजन भी किया।

अनियंत्रित ट्रक ने खड़ी डीसीएम में मारी ठोकर, डीसीएम पलटी चालक फंसा, घायल

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में मंगलवार रात तेज रफ्तार बेकाबू ट्रक ने खड़ी डीसीएम में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से डीसीएम पलट गई और उसका चालक डीसीएम के नीचे दब गया। सूचना पर फायर विभाग को मिली तो सूचना के बाद आनन फानन पहुंची फायर विभाग की टीम ने उसे घायलावस्था में बाहर निकालकर लोक बंधु अस्पताल पहुंचाया। जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस के मुताबिक उन्नाव जिले के नदौरा, अर्जुनगंज निवासी डीसीएम चालक देवी दीन अपनी डीसीएम लेकर कानपुर रोड स्थित बंथरा थाने के सामने से गुलाब खेड़ा मोड़ के पास पहुंचा था। वह बंथरा - बिजनौर रोड पर गुलाब खेड़ा मोड़ के पास पहुंचा और रात करीब 11:30 बजे रोड के किनारे डीसीएम खड़ी कर उसके आगे खड़े होकर पेशाब करने लगा। तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने डीसीएम (डीएल 1 एलवाई 0848) में टक्कर मार दी। जिससे डीसीएम आगे बढ़कर पलट गई और चालक देवी दीन उसके नीचे दब गया। हालांकि वहां मौजूद लोगों ने उसे निकालने की काफी कोशिश की, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। बाद में घटना की सूचना पुलिस और फायर विभाग को दी गई। सूचना के बाद पहुंची बंथरा पुलिस के साथ ही सरोजनी नगर फायर स्टेशन के दमकल कर्मियों ने डीसीएम के हौद काट कर किसी तरह देवी दीन को बाहर निकाला। एफएसओ सरोजनी नगर सुमित प्रताप सिंह ने बताया कि देवी दीन बुरी तरह घायल था। बाद में एंबुलेंस बुलाकर लोक बंधु अस्पताल भेजा गया। जहां उसका इलाज जारी है। उधर घटना के बाद दूसरा ट्रक चालक अपने वाहन सहित वहां से फरार हो गया।

इनर व्हील क्लब ऑफ़ धनबाद ने मनाया भारतीय समाचार पत्र दिवस

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। इनर व्हील क्लब ऑफ़ धनबाद,जिला 325, चैप्टर 8181 ने भारतीय समाचार पत्र दिवस पर सभी समाचार पत्रों को समाचार पत्र पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करने,सामाजिक- राजनीतिक मामलों से पाठकों को अवगत कराने और निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए जो भारत के लोकतंत्र की मजबूती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने, इन सभी महत्वपूर्ण योगदानों के लिए देश के सभी समाचार पत्रों को बधाई धन्यवाद देकर सेलिब्रेट किया।इनर व्हील क्लब की पदाधिकारी रेनू कौशल ने बताया कि आज हम स्वतंत्रता के पूर्व 1780 में पहले समाचार पत्र 'हिक्कीज बंगाल गजट' के प्रकाशन की स्मृति में इंडियन न्यूज़पेपर डे मना रहे हैं।इसी साप्ताहिक अखबार ने पत्रकारिता के नए युग की शुरुआत की। कार्यक्रम में क्लब के सभी सदस्यों ने समाज के प्रति समाचार पत्रों की जिम्मेदारी को अहम बताते हुए प्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की। दैनिक जीवन में समाचार पत्र के योगदान की सराहना की गयी। प्रेस प्रतिनिधियों को शॉल, पौधे एवं स्मृतिचिह्न से सम्मानित किया गया। इनरव्हील क्लब धनबाद माइलस्टोन की सदस्याओं ने बताया कि प्रतिवर्ष नेशनल न्यूज़पेपर डे का आयोजन इनर व्हील क्लब द्वारा किया जाता है।कार्यक्रम में उपाध्यक्ष लीना झा,सचिव ऋतु श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष रेनू कौशल, एडिटर गीता चौबे, ऊषा सिंह, मनीषा गांधी आदि सदस्याओं ने भाग लिया।

दोस्ताना मैच में पत्रकार इलेवन का शानदार प्रदर्शन, 9 विकेट से चिरकुंडा नगर परिषद को हराया

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद । ईस्ट कुमारधुबी स्थित क्रिकेट मैदान में बुधवार की सुबह खेले गए दोस्ताना मैच में पत्रकार इलेवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चिरकुण्डा नगर परिषद की टीम को 9 विकेट से हरा दिया। पत्रकार इलेवन के कप्तान रामजी यादव ने टास जीतकर पहले चिरकुण्डा नगर परिषद को बल्लेबाजी करने को कहा। वही बल्लेबाजी करते हुए चिरकुण्डा नगर परिषद की टीम निर्धारित 15 ओवर में 128 रन बनाई। जिसमें इओ विजय कुमार हांसदा 48 एवं सिटी मैनेजर मुकेश निरंजन 42 रन बनाये। वही रनों का पीछा करते हुए पत्रकार इलेवन की टीम 7.4 ओवर में एक विकेट की नुकसान पर 129 रन बना लिया। प्रिंस कुमार 79, धर्मेंद्र शर्मा 28 एवं दीपक सिंह ने 19 रन बनाये। विजेता एवं उपविजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मनित किया गया। इस दौरान इओ विजय कुमार हांसदा ने कहा की दोस्ताना मैच का मुख्य उद्देश्य है चिरकुण्डा नगर परिषद को स्वच्छ रखने के लिए लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने लोगों से अपील किया कि चिरकुंडा को स्वच्छ रखने में सभी अपनी सहभागिता निभाएं।

महाकुंभ जा रहे श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर स्थानीय प्रशासन मुस्तैद रहा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

जसवंतनगर। मौनी अमावस्या को प्रयागराज महाकुंभ में शरीक होने जा रहे दिल्ली,राजस्थान,आगरा,नोएडा फिरोजाबाद आदि जगहो के श्रद्धालु यहां राष्ट्रीय राजमार्ग सीमा अंतर्गत स्थित पेट्रोल पंप,होटल आदि प्रतिष्ठानों पर रुके श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा के मद्देनजर स्थानीय प्रशासन और पुलिस मंगलवार रात को मुस्तैद रहा।उप जिलाधिकारी कुमार सत्यम जीत और क्षेत्राधिकारी नागेंद्र चौबे ने देर रात आगरा से कानपुर जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर फुलरई स्थित आरती भुवनेश सीएनजी स्टेशन का निरीक्षण किया जहां वाहनों से महाकुंभ जा रहे श्रद्धालु अपनी गाड़ियों में सीएनजी डलवा रहे थे।देर रात सीएनजी स्टेशन मालिक भुवनेश चंद्र यादव की उपस्थिति और वहां की व्यवस्थाओं को देखकर दोनों अधिकारियों ने सरहाना की।वही पेट्रोल पंप मालिक ने क्षेत्राधिकारी नागेंद्र चौबे से सुरक्षा के मद्देनजर जिप्सी मोबाइल की मांग रखी तो क्षेत्राधिकारी नागेंद्र चौबे ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत ही जिप्सी मोबाइल को सुरक्षा के लिए तैनात कर दिया।इसके अलावा दोनों अधिकारियो ने हाईवे स्थित अन्य पेट्रोल पंपों और होटलों को चेक किया और रुके हुए श्रद्धालुओं से रूबरू हुए। इस दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक राम सहाय सिंह,सिटी इंचार्ज राजकुमार सहित अन्य अधिकारी साथ रहे।

गौवंश तस्करों के हौसले बुलंद, पुलिस टीम पर की फायरिंग

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

उन्नाव। जनपद में गौ तस्कर सक्रिय है हालांकि पुलिस अपनी ड्यूटी पूरी तरह से निभा रही है फिर भी गौतस्करों के हौसले इतने बुलंद है कि पुलिस टीम पर फायरिंग करने में भी गुरेज नहीं करते। ऐसा ही वाकया उस वक्त देखने को मिला जब रात्रि में थाना सफीपुर क्षेत्रांतर्गत डायल 112 को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम देवरामऊ जंगल में एक ट्रक क्क50 ज्ज 1398 में गोवंश पशुओं को लाद कर ले जा रहे हैं। इस सूचना पर थाना सफीपुर पुलिस एवं पीआरवी 6597 ने ट्रक को रोकने का प्रयास किया तो पीआरवी वाहन को क्षतिग्रस्त करते हुए गो तस्करों ने भागने का प्रयास किया और कुछ दूरी पर ट्रक को खड़ा कर मौके से भाग गये। थाना सफीपुर पुलिस द्वारा गो तस्करों को पकड़ने के प्रयास में थाना क्षेत्रांतर्गत भट्टाचार्य मोड़ मजरा सराय अख्तियारपुर के पास भाग रहे व्यक्तियों में से एक व्यक्ति जाबिर पुत्र कासिम निवासी तेतारपुर थाना बाजार शुक्ल जनपद अमेठी को पुलिस द्वारा पकड़ने का प्रयास किया गया तभी जाबिर द्वारा पुलिस टीम पर फायर कर दिया गयाद्य आत्मरक्षा में पुलिस टीम द्वारा की गयी मुठभेड़ में जाबिर को गिरफ्तार किया गया एवं एक गोतस्कर भागनें मे सफल रहा। थाना सफीपुर पुलिस द्वारा ट्रक मे लदे 22 गोवंश समेत ट्रक, एक तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस 315 बोर एवं एक खोखा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया। घायल गो तस्कर जाबिर को उपचार हेतु सीएचसी सफीपुर में भर्ती कराया गया है एवं फरार गोतस्कर की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे है।

विस्थापन पुनर्वास व सुरक्षा को लेकर गणतंत्र समूह ने दिया धरना

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। झरिया 29 जनवरी को गणतंत्र समूह द्वारा पूर्व घोषित आंदोलन में, बोका पहाड़ी - बरफ कल के असंख्य परिवारों में विस्थापन के स्थिति से पुर्वास सुरक्षा के सवाल पर राजा पुर परियोजना पर एक दिवसीय सांकेतिक धरना, गणतंत्र समूह के संयोजक के नेतृतिव में संपन्न हुआ। जहाँ एक सभा का आयोजन किया गया जिसका संचालन राजा राम ने किया , सभा को अनेको साथियो ने सम्बोधित किया , जिसमे बी सी सी एल को झरिया में विस्थापन का जिम्मेदार बताया , इनके लापरवाही के कारण निजी कम्पनिया सुरक्षा मानकों को नजरअंदाज कर झरिया को तबाह करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है , खनन पूर्व घनी आबादी में जन जीवन का ख्याल नहीं रखने के कारण अनेको दुर्घटना घटित होती रहती है , आग और दरार में फंस कर हाथ पैर गवाने वाली मुस्कान, एवं 14 जनवरी को प्रीति नामक बच्ची बुरी तरह जलकर जख्मी हो गई अबतक कोई राहत कार्य मुआवजा नहीं दिया गया , सुरक्षित खनन के पूर्व पुनर्वास की जरूरत पर जोर देते हुए परियोजना पदाधिकारी को पत्र देकर माँग किया गया सप्ताह भर के भीतर कार्यवाही हो अन्यथा एरिया पर अनिश्चितकालीन धरना देने की घोषणा की गई । धरना में हरेराम पंडित, महेश भुइँया, मुकेश पासवान, अमरजीत कालिंदी, लक्ष्मी कारवाँ, बबलू भुइयां, कमलेश सिंह, काजल कुमारी, नंदनी, ललिता, सितबिया देवी, पवन, बीरेंद्र चौधरी, इशरा भुइँया, ममता देवी, जुगनू भुइँया, आदि शामील थे।

आईपीएस हरमीत सिंह असम के प्रभारी डीजीपी के रूप में पदभार संभाला

तीसरा विकल्प न्यूज़ - पंकज नाथ

असम। पुलिस महानिदेशक ज्ञानेन्द्र प्रताप (जीपी) सिंह को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल का महानिदेशक नियुक्त किये जाने के बाद असम-मेघालय कैडर, 1992 बैच के वरिष्ठ IPS अधिकारी हरमीत सिंह को असम पुलिस के प्रभारी DGP के रूप में नियुक्त करने के बाद आज उन्होंने अपना पदभार संभाल लिया है । 1991 बैच के ह्वक्क अधिकारी ज्ञानेन्द्र प्रताप (GP) सिंह ने 2023 के 31 जनवरी को असम राज्य के ष्ठत्रक्क के रूप में पदभार ग्रहण किया था । उनकी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति 30 नवंबर, 2027 को उनकी सेवानिवृत्ति तक बढ़ेगी। असम सरकार के गृह विभाग के द्वारा मंगलवार को जारी एक आदेश के माध्यम से उन्हें औपचारिक रूप से असम में उनके कर्तव्यों से मुक्त कर दिया गया है । सिंह उन 14 वरिष्ठ अधिकारियों में शामिल हैं जिन्हें केंद्रीय सेवा में शामिल किया गया है और उन्हें विभिन्न केंद्रीय बलों में नेतृत्व की भूमिका के लिए योग्य बनाया गया है। गृह मंत्रालय (एमएचए) के एक आधिकारिक नोट संख्या 35/42023-ईओ (एसएम-1) दिनांक 7 अगस्त ने केंद्र में महानिदेशक (डीजी) या समकक्ष स्तर के पदों के लिए उनके पैनल की पुष्टि की है । वहीं असम में जब तक पूर्णकालिक डीजीपी नियुक्त नहीं किया जाता है, तब तक असम-मेघालय कैडर,1992 बैच के आईपीएस अधिकारी हरमीत सिंह, असम के प्रभारी डीजीपी के रूप में काम करेंगे। इसके अलावा वह विशेष डीजीपी (मुख्यालय), विशेष डीजीपी और निदेशक, होम गार्ड्स के महानिदेशक और नागरिक सुरक्षा के कमांडेंट जनरल, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं और विशेष डीजीपी (सीमा) सहित कई प्रमुख पदों पर भी बने रहेंगे।

एयरपोर्ट पर फायर मॉक ड्रिल आयोजित

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट पर बुधवार को फायर मॉक ड्रिल आयोजित की गई। जो पूरी तरह सफल रही। एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि मंगलवार दोपहर को आयोजित मॉक ड्रिल में दर्शाया गया कि दोपहर करीब 11:15 बजे विमान के इंजन में इस्तेमाल किए जाने वाला तेल लेकर एयरपोर्ट के अंदर तेल डिपो पहुंचे टैंकर में खाली करने के दौरान अचानक निकली चिंगारी से वहां पर आग लग गई। जिससे अफरा तफरी मच गई। आनन फानन एयरपोर्ट फायर स्टेशन के अलावा सरोजनीनगर फायर स्टेशन, पुलिस और एंबुलेंस आदि को सूचना देकर मौके पर बुलाया गया।

सूचना के बाद पहुंची एयरपोर्ट फायर स्टेशन की गाड़ी और सरोजनीनगर फायर स्टेशन की दमकल गाड़ी के जरिए दमकल कर्मियों ने करीब घंटे भर की मशक्कत कर आग पर काबू पा लिया। मॉक ड्रिल में दर्शाया गया कि इस दौरान आग की चपेट में आकर एक कर्मचारी झुलस गया। जिसे आनन-फानन अस्पताल पहुंचाकर प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। मॉक ड्रिल समापन के बाद सभी लोगों ने राहत की सांस ली। बाद में अधिकारियों ने मॉक ड्रिल में शामिल सभी अधिकारियों / कर्मचारियों का उत्साह वर्धन किया। फिलहाल यह मॉक ड्रिल पूरी तरह सफल रही। बताते हैं कि एयरपोर्ट पर समय-समय पर होने वाली यह रूटीन मॉक ड्रिल थी। वहीं एयरपोर्ट प्रशासन ने मॉक ड्रिल की पुष्टि नहीं की है। जबकि सूत्रों का कहना है कि एयरपोर्ट पर मॉक ड्रिल हुई और उसमें एचपीसीएल, इंडियन आयल, सीआईएसएफ व सरोजनीनगर फायर स्टेशन सहित कई सरकारी संस्थानों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

जमुई में 32 केंद्रों पर 21262 परीक्षार्थी देंगे इंटरमीडिएट की परीक्षा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - कन्हैया सिंह

जमुई पटना। डीएम अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में नगर परिषद के संवाद कक्ष में बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित की जाने वाली इंटरमीडिएट परीक्षा 2०25 के सफल संचालन को लेकर केंद्राधीक्षक , स्टैटिक दंडाधिकारी , गश्ती दंडाधिकारी , उड़नदस्ता दंडाधिकारी और संबंधित पुलिस पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई। पुलिस अधीक्षक मदन कुमार आनंद बैठक में उपस्थित थे। जिलाधिकारी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि ०1 से 15 फरवरी तक जिले में कुल 32 परीक्षा केंद्रों पर इंटरमीडिएट की परीक्षा का संचालन किया जाना है। इस परीक्षा में कुल 21262 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा दो पाली में आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली के लिए परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों की उपस्थिति पूर्वाह्न ०8:3० से ०9:०० बजे तक और दूसरी पाली के पहुंच का समय अपराह्न ०1:०० से ०1:3० तक निर्धारित है। तय समय के बाद परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। प्रथम पाली की परीक्षा पूर्वाह्न ०9:3० बजे से 12:45 बजे तक और द्वितीय पाली की परीक्षा अपराह्न ०2:०० बजे से ०5:15 तक ली जाएगी। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के गाइडलाइंस का सभी केंद्राधीक्षक अनुपालन सुनिश्चित करेंगे। परीक्षा केन्द्रों पर प्रवेश के समय परीक्षार्थियों का सघन जांच किया जाना है। केंद्राधीक्षक सेंटर पर जेनेनेटर की सुविधा , बिजली की व्यवस्था , बैग रखने का प्रबंध आदि दायित्वों का निर्वहन करेंगे। केंद्राधीक्षक , वीक्षक और दंडाधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करेंगे। कदाचार मुक्त परीक्षा का संचालन सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। हर स्तर पर वीडियोग्राफी कराई जाएगी। परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल ले जाने की मनाही होगी। सभी परीक्षा केंद्रों के 5०० मीटर के दायरे में धारा 144 लागू रहेगी। परीक्षा केंद्र पर किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या नकल सामग्री को ले जाने पर सख्त मनाही है। छात्राओं के लिए कुछ खास परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं , जहां केंद्राधीक्षक से लेकर वीक्षक तक सभी महिलाएं ही परीक्षा का कार्य संपादित करेंगी। जिला परिवहन पदाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी को शहर में यातायात व्यवस्था को दुरूस्त रखने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने शांतिपूर्ण परीक्षा के लिए हर संभव यतन किए जाने की बात कही। पुलिस अधीक्षक मदन कुमार आनंद ने कहा कि शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त परीक्षा संचालित कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता होगी। हर परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किए जाएंगे। बदमाशों पर कड़ी निगाह रखी जाएगी। उन्होंने अभिभावकों से यथोचित सहयोग की अपील की। एडीएम सुभाष चंद्र मंडल , जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी राम दुलार राम , एसडीएम अभय कुमार तिवारी , डीसीएलआर मो. तारिक रजा , एसडीपीओ सतीश सुमन , डीईओ राजेश कुमार , जिला अल्पसंख्य कल्याण पदाधिकारी जटाशंकर पांडे , जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी मो.नजरूल हक समेत सभी नामित जन बैठक में उपस्थित थे।

एक्सईएन ने खंडीय लेखाधिकारी को किया कार्यमुक्त, कार्रवाई सवालों के घेरे में

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

उन्नाव। वित्तीय गड़बड़ी की शिकायत पर चल रही लोकायुक्त जांच के बाद उन्नाव खंड शारदा नहर कार्यालय में एक्सईएन द्वारा अचानक खंडीय लेखाधिकारी को कार्यमुक्त किया जाना सवालों के घेरे में आ गया है। इसको लेकर विभाग में खलबली है। एक्सईएन ने काफी प्रयास के बाद भी फोन नहीं उठाया। सिविल लाइंस निवासी अजयवीर सिंह चंदेल ने 27 सितंबर 2023 को लोकायुक्त में दर्ज कराई शिकायत में उन्नाव खंड शारदा नहर कार्यालय के जिम्मेदारों पर पुल, पुलियों के निर्माण व मरम्मत में आवश्यकता से कई गुना अधिक के एस्टीमेट बनाकर अपने चहेते ठेकेदारों के साथ मिलकर धन का बंदरबांट करने का आरोप लगाया था। यह भी बताया था कि एक्सईएन की मिलीभगत से फर्जी अनुभव पत्र लगाकर बिना सत्यापन कराए निविदाओं को कराकर अनुबंधों का गठन किया गया था। शिकायतकर्ता ने कूटरचित तरीके से 2.50 करोड़ से अधिक के शासकीय धन की लूटखसोट का आरोप भी लगाया था। वहीं, भगवंतनगर विधायक आशुतोष शुक्ला की ओर से की गई शिकायत में विभाग के लिए खरीदा गया 29 लाख का फर्नीचर घर ले जाने का आरोप एक्सईएन पर लगाया गया था। दोनों मामलों की जांच जारी है। अजयवीर सिंह चंदेल की शिकायत पर लोकायुक्त के आदेश से डीएम, तीन सदस्यीय टीम से जांच करा रहे हैं। 25 जनवरी को शाम करीब पांच बजे अचानक एक्सईएन ने खंडीय लेखाधिकारी को कार्यमुक्त करने के पत्र का बंद लिफाफा थमा दिया। इसके साथ ही कैशियर को लेखाकार का चार्ज भी दे दिया। विभागीय सूत्रों के अनुसार एक्सईएन, लेखाधिकारी के नियोक्ता अधिकारी नहीं हैं। इसलिए उन्हें लेखाधिकारी को हटाने का अधिकार नहीं है। लेखाधिकारी की तैनाती, महालेखाकार प्रयागराज द्वारा की जाती है। लेखाकार दीपक कुमार पांडेय ने बात करने से इन्कार कर दिया। एक्सईएन शैलेश कुमार से उनका पक्ष जानने के लिए फोन किया गया लेकिन रिसीव नहीं किया। सीडीओ प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि वह दो दिन की छुट्टी पर हैं। जहां तक उन्हें भी जानकारी है कि लेखाधिकारी को हटाने का अधिकार डीएम को है। ऐसे में एक्सईएन ने कैसे कार्यमुक्त कर दिया, इसकी जानकारी छुट्टी से वापस आकर करेंगे।

योगी सरकार की योजना के तहत एक गांव के 25 परिवारों को मिलेगा फायदा, 65० गांवों का सर्वे पूरा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

उन्नाव । सरकार ने गांव के अति गरीब परिवारों के आर्थिक उन्नयन के लिए जीरो पावर्टी योजना चलाई है। जिसमें जिले के अंदर सभी 1037 ग्राम पंचायतों को लक्षित किया गया है। प्रत्येक गांव से अति गरीब तबके के 25 परिवारों को योजना में आच्छादित किए जाने का लक्ष्य है। वहीं सभी ग्राम पंचायतों से 25925 परिवारों को सरकारी योजनाओं के बलबूते आर्थिक समृद्ध बनाया जाएगा। जीरो प्रावर्टी योजना के तहत ऐसे परिवारों का चयन करके सरकार की 26 योजनाओं से लाभांवित कर उनकी आर्थिक मजबूत बनाया जाएगा। इसके लिए जिले स्तर पर 19 दिसंबर 2024 से सर्वे की प्रक्रिया जारी है। ब्लॉक स्तर पर लगाए जाएंगे अधिकारी सभी पंचायतों का सर्वे जनवरी में ही पूरा करने पर सहमति जताई गई है। ग्राम पंचायत स्तर पर रोजगार सेवक, पंचायत सहायक आदि को सर्वे कर डेटा जमा करने के लिए लगाया गया है। सर्वे पूरा करने के बाद ब्लॉक स्तर पर प्रथम परीक्षण खंड विकास अधिकारी स्तर से किया जाएगा। फिर जिले स्तर पर सीडीओ प्रेम प्रकाश मीणा की निगरानी में जिला पंचायती राज अधिकारी व अन्य जिम्मेदार इसकी जांच करके डीएम को सौंपेगे। यहां से प्रदेश स्तर पर चयनित नामों की सूची भेजी जाएगी। इसके बाद शासन स्तर से चयनित परिवारों को मनरेगा, आवास, पेंशन, राशन आदि 26 योजनाओं का हकदार बनाकर उनकी निर्धनता को दूर करने का काम किया जाएगा। प्रभारी जिला पंचायती राज अधिकारी रामाधार ने बताया कि जनवरी में जिले भर की ग्राम पंचायतों से ऐसे परिवारों का सर्वे कर चयन कर लिया जाएगा।

6.73 करोड़ से दुरुस्त होंगी चार सड़कें

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

उन्नाव। पुरवा तहसील क्षेत्र के चार प्रमुख खस्ताहाल संपर्क मार्गों को दुरुस्त किए जाने का रास्ता साफ हो गया है। इनके लिए 6.73 करोड़ का बजट स्वीकृत कर दिया गया है। लोक निर्माण विभाग ने जल्द संपर्क मार्गो का निर्माण कार्य शुरू करने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। तहसील क्षेत्र पुरवा के दो क्षेत्रों को जोडने़ वाले कई ऐसे संपर्क मार्ग हैं जो लंबे समय से खस्ताहाल हैं। इन पर आवागमन करने में लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई मार्गों में गहरे गड्ढे हो गए हैं और गिट्टियां बाहर झांकने लगी हैं। इससे वाहन सवार गिरकर चुटहिल हो रहे हैं। पूर्व में पीडब्ल्यूडी ने सर्वे कराकर इन मार्गों का चिह्नांकन कराया था और दुरुस्त करने का प्रस्ताव बनाकर मुख्यालय भेजा गया था। अब शासन से इन मार्गों के निर्माण के लिए लगभग 6.73 करोड़ का बजट स्वीकृत किया गया है। पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड के अधिशाषी अभियंता हरदयाल अहिरवार ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। इन मार्गों के निर्माण से एक लाख की आबादी को आवागमन में सहूलियत मिलेगी।

इन प्रमुख मार्गो का होगा निर्माण

-कुशलीखेड़ा से गोसाईंखेड़ा वाया राधानगरी लालाखेड़ा संपर्क मार्ग- 1.91 करोड़
-पुरवा गिलसहामऊ मार्ग किमी चार से मदारपुर तक मिसिंग लिंक मार्ग- 1.48 करोड़
-केवनी से केवना देवईया संपर्क मार्ग- 1.84 करोड़
-धौरहरा से ककोहा संपर्क मार्ग- 1.50 करोड़

सीएसआईआर सीआईएमएफआर में सस्टेनेबिलिटी इन कोल बेनिफिशिएशन चैलेंजेस एंड ऑपर्च्युनिटीज विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

जोड़ापोखर / धनबाद। कोयला एवं खनिज प्रसंस्करण अनुसंधान समूह द्वारा सीएसआईआर केंद्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान संस्थान धनबाद के डिगवाडीह परिसर में सस्टेनेबिलिटी इन कोल बेनिफिशिएशन, चैलेंजेस एंड ऑपर्च्युनिटीज विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न कोयला खनन, प्रसंस्करण एवं उपयोग जैसे टाटा स्टील, बीसीसीएल, आईआईटी आईएसएम, एनटीपीसी आदि से विभिन्न विशेषज्ञों, प्रतिनिधियों एवं शोधकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्घाटन सत्र डिगवाडीह परिसर स्थित आदिनाथ लाहिड़ी हॉल में मुख्य अतिथि के बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता तथा विशिष्ट अतिथि सीएसआईआर-सीआईएमएफआर के अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष प्रो. डी. डी. मिश्रा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। तत्पश्चात संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. प्रदीप कुमार बनर्जी ने सभी का स्वागत किया। मुख्य अतिथि डॉ. समीरन दत्ता ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में ग्लोबल वार्मिंग ने नीति निर्माताओं को ऊर्जा सुरक्षा का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए मजबूर किया है। धरती के शोषण की भरपाई करना हमारा कर्तव्य है। इसके लिए उन्होंने खदान बंद करने की उचित योजना के महत्व का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक सुरक्षा के लिए मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन पर निर्भर करता है, हालांकि पर्यावरण सुरक्षा का ध्यान रखने के लिए वैज्ञानिक हस्तक्षेप अनिवार्य है। उन्होंने बीसीसीएल वाशरियों के मुद्रीकरण की प्रस्तावित योजना का वर्णन किया, जहां कोयला उपभोक्ताओं को बीसीसीएल के बुनियादी ढांचे पर वाशरी बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा और वे पूरे धुले हुए उत्पाद को ले जा सकेंगे। कार्यशाला आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. उदय शंकर चट्टोपाध्याय ने बीसीसीएल की कोयला वाशरियों के विकास में कोयला प्रसंस्करण के क्षेत्र में सीएसआईआर-सीआईएमएफआर के स्थापना से लेकर अब तक के सतत योगदान का उल्लेख किया। सीएसआईआर-सीआईएमएफआर के अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष प्रो. डी. डी. मिश्रा ने कहा कि भारत में बिजली की मांग बढ़ रही है और सभी पारंपरिक और गैर-पारंपरिक बिजली संयंत्रों को पूरी क्षमता से चलाने पर भी इस मांग को पूरा करना मुश्किल है। कोयला बिजली उत्पादन के लिए एक महत्वपूर्ण जीवाश्म ईंधन के रूप में बना रहेगा। धन्यवाद ज्ञापन सचिव डॉ मनीष कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

उद्घाटन समारोह के पश्चात

तकनीकी सत्र में कोयला एवं खनिज प्रसंस्करण अनुसंधान समूह के संरक्षक डॉ उदय शंकर चट्टोपाध्याय, टाटा स्टील के अनुसंधान एवं विकास प्रमुख डॉ असीम कुमार मुखर्जी, आईआईटी (आईएसएम), धनबाद के ईंधन खनिज एवं धातुकर्म इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ श्रवण कुमार, अतनु महाता सहायक महाप्रबंधक, कोक ओवन ऑपरेशन, श्याम सेल एंड पावर लिमिटेड, डब्ल्यूबी, सीएमपीडीआई के उप प्रबंधक (सीपी) अविनाश सुमन, आरडीसीआईएस रांची के बी घोष, सीएचई-इंडस्ट्री ग्रुप पोलैंड के सीईओ टिमोफी चेर्नयेव आदि ने अपनी अपनी प्रस्तुति दी। समापन समारोह में मुख्य अतिथि तथा वक्ताओं को सीआईएमएफआर डिगवाडीह परिसर के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. आशीष मुखर्जी द्वारा सम्मानित किया गया। समापन भाषण बी. के. तिवारी निदेशक प्रभारी बीएसएल द्वारा किया गया। आयोजन समिति के संयोजक डॉ. के.एम.पी. सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

मुयमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान अंतर्गत दी गयी लोन संबंधित योजनाओं की जानकारियां

⇨ जन शिक्षण संस्थान के लाभार्थियों को वितरित किये गए प्रमाण पत्र

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजिनीनगर। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार के अधीन संचालित जन शिक्षण संस्थान (सा०नि०) लखनऊ व जननायक सुजीत पाण्डेय मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 29 जनवरी 2025 को पाण्डेय काम्प्लेक्स,मोहनलालगंज में संस्थान के अध्यक्ष संजय आर. भूसरेड्डी जी (से.नि. आई. ए. एस.) के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की जानकारी दी गयी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री मनोज चौरसिया जी (उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र लखनऊ)ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की पात्रता एवं शर्तें, आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा यह योजना ऐसी योजना है जिसमे सरकार युवाओं को रोजगार स्थापित करने हेतु 5 लाख तक का ऋण व गारंटी मुक्त लोन उपलब्ध करा रही है, साथ ही परियोजना लागत पर 10% मार्जिन मनी अनुदान दिया जा रहा है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि , श्री मनीष पाठक अग्रणी बैंक प्रबंधक ने युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए बैंक संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारियाँ दी, साथ ही बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना किस प्रकार अन्य योजनाओ से अलग है क्योंकि यह ऋण व गारंटी मुक्त हैं । उन्होने ये भी बताया कि किस तरह से प्रशासन और बैंक के अधिकारी इस लोन के लिए डेली मॉनिटरिंग कर रहे हैं ताकी युवाओं को आवेदन प्रक्रिया में मुश्किल न हो। कार्यक्रम के मध्य में संस्थान कि प्रशिक्षक श्रीमती बबली साहू की शंकाओं का अग्रणी बैंक प्रबंधक ने तत्काल रूप में निस्तारण किया। संस्थान के निदेशक प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि संस्थान का प्रयास है कि हमारे ज्यादा से ज्यादा प्रशिक्षणार्थी अपना उद्योग स्थापित करें और आवेदकों को पंजीकरण करने में जो भी समस्याएं आ रही है संस्थान द्वारा उनकी सहायता की जा रही है। साथ ही कार्यक्रम के दौरान उन्होने ऋण आवेदन में परियोजना विवरण के बारे में सभी को जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि की उपस्थिति में सभी प्रशिक्षणार्थीयों को प्रमाणपत्र भी वितरण किए गए। कार्यक्रम के अंत में श्री अजय पांडेय (सत्यम) ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि मुझे आशा है कि नगर पंचायत मोहनलालगंज के ज्यादा से ज्यादा लोग इन योजनाओं का लाभ लेकर अपना व्यापार स्थापित करेंगे, जिससे उन्हें जीविकोपार्जन में मदद मिल सके, साथ कि कहा कि हमारा ट्रस्ट जन शिक्षण संस्थान के साथ विगत तीन वर्षों से युवाओ को कौशल विकास के प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में मंच का संचालन संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी अवधेश कुमार ने किया । कार्यक्रम में अकाउंटेंट कम मैनेजर आई.पी.गुप्ता, सहायक कार्यक्रम अधिकारी शुभम मिश्रा, सौरभ भारद्वाज, समाजसेवी शैतेंद्र मिश्रा, पत्रकार आशीष द्विवेदी, शिवम प्रताप सिंह,शिवम साहू ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जनसमस्याओं को लेकर उ.प्र. क्रांति उद्योग व्यापार मंडल ने डीजीपी साउथ को दिया ज्ञापन

➤ व्यापार मंडल ने मानकों को ताख पर रखकर निमार्ण कार्य कराने को लेकर पीएनसी और नगर निगम पर लगाया गंभीर आरोप

➤ स्कूटर इंडिया चौराहा, दरोगा खेड़ा सहित कई मोड़ पर नहीं बना सुलभ शौचालय और स्ट्रीट लाइट

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। राजधानी लखनऊ में बुधवार को स्थानीय जनसमस्याओं को लेकर उत्तर प्रदेश क्रांति उद्योग व्यापार मंडल ने डीजीपी साउथ को ज्ञापन दिया और स्थानीय जनसमस्याओं से डीसीपी साउथ को जानकारी दी। उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष विजय सिंह यादव ने बताया कि सरोजनीनगर क्षेत्र में लखनऊ कानपुर हाइवे निमार्ण करने वाली पीनसी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी तथा नगर निगम द्वारा किए जा रहे अनुचित कार्यों से उत्पन्न समस्याओं के बारे में डीसीपी को अवगत कराया। पिछले दो वर्षों से सरोजनीनगर में हो रहे विकास कार्यों में सैकड़ो की तादाद में अनियमितताएं बरती जा रही हैं। जिसमें पीनसी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी एवं नगर निगम द्वारा जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई भी एक्शन नहीं लिया जा रहा है। जिससे उत्पन्न दिक्कतों का जनमानस को प्रतिदिन सामना करना पड़ रहा है। जैसे क्षेत्र में हो रही आए दिन चोरियों पर कोई भी कार्रवाई न होने से चोरों का मनोबल बढ़ा है तथा भूतकाल में हुई चोरी या दुर्घटना को अभी तक खुलासा न किए जाने से क्षेत्र में व्यापारियों तथा जनता में रोष है। वेंडिंग जोन को जो वेंडिंग जोन घोषित कर दिया गया है और पटरी दुकानदारों को पुनः स्थापित करने की कोई व्यवस्था नहीं की जा रही है। पूर्व मंत्री स्वाति सिंह द्वारा आवंटित की गई जमीन को अभी तक अतिक्रमण से निजात नहीं दिलाया जा सका है, जिससे की गौरी साप्ताहिक बाजार अभी तक ट्रांसफर नहीं हो सकी है। स्थानीय निवासी विजय सिंह यादव , कौशलेंद्र, देवेंद्र सहित व्यापारियों ने बताया कि समस्याओं में स्कूटर इंडिया चौराहा सहित कई मोड़ पर न ही स्ट्रीट लाइट लगी है , न सार्वजनिक शौचालय है , शुद्ध पेयजल की व्यवस्था भी उपलब्ध नहीं है, नालियों की ड्रेनेज पानी की निकासी सहित कई समस्याओं का सामना आय दिन रात करना पड़ रहा है।

आरपीआई ने की महाकुंभ भगदड़ में मृतक श्रद्धालुओं को 50-50 लाख का मुआवजा देने की मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले), उत्तर प्रदेश ने योगी सरकार से महाकुंभ में मची भगदड़ में हताहत हुए श्रद्धालुओं के परिजनों को 50-50 लाख रुपए का मुआवजा देने की माँग की है। आरपीआई के प्रदेश अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता ने कहा कि महाकुंभ में हुई भगदड़ में कई लोगों के हताहत होने की खबर दुर्भाग्यपूर्ण है। ईश्वर मृतकों को अपने श्रीचरणों में स्थान दे। पिछले कई दिनों से महाकुंभ में प्रशासन की लापरवाही एवं अव्यवस्था की खबरें आ रही थी और अब मौनी अमावस्या स्नान पर श्रद्धालुओं की मौत बेहद दुःखद है। पवन भाई गुप्ता ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार मृतकों के परिजनों को 50-50 लाख का मुआवजा दे एवं घायलों को 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दें। इसके अलावा मृतकों के शवों को उनके परिजनों को सौंपकर उन्हें उनके निवास स्थान पर भेजने की समुचित व्यवस्था की जाये। गंभीर रूप से घायलों को बेहतरीन इलाज मुहैया कराया जाये। पवन भाई गुप्ता ने कहा कि घटना बेहद दुःखद है। घटना के दोषियों को चिह्नित कर सरकार उनके खिलाफ कठोर कठोर कार्यवाई करे।

स्टेट बैंक द्वारा पेंशनर्स मीट आयोजित

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। भारतीय स्टेट बैंक, प्रशासनिक कार्यालय लखनऊ द्वारा आज पेंशनर्स मीट का आयोजन संगीत नाटक अकादमी के संत गाडगे जी प्रेक्षागृह में किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में बैंक के निवर्तमान मुख्य महाप्रबन्धक शरद एस चाण्डक एवं नवागत मुख्य महाप्रबन्धक दीपक कुमार डे एवं महाप्रबन्धकगण के साथ राजेश कुमार मीणा, धीरज कुमार, उप महाप्रबन्धक तथा पेंशनर्स एसोशियेशन के अध्यक्ष दिनेश चन्द्रा व महामंत्री अतुल स्वरूप ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सम्मेलन में बैंक के अनेक वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभिन्न जिलों से आये लगभग 350 पेंशनर्स मौजूद रहे। कार्यक्रम में श्री दीपक कुमार डे, मुख्य महाप्रबन्धक ने हम सभी को सेवानिवृत्त होना है हमें सेवानिवृत्त सहकर्मियों का सदैव सम्मान करना चाहिए। आज बैंक जिस उँचाई पर है. उसमें पूर्व सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने बैंक द्वारा अपने पेशनरों हेतु दी जा रही कल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी और कहा बैंक अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अपने परिवार का हिस्सा मानता है और उनके लिये हर सुविधा देने को तत्पर है। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनके स्तर से स्टेट बैंक पेन्शनरों की हर समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जायेगा तथा पेन्शनरों से अपेक्षा की कि बैंक की प्रगति के लिए अपना पोगदान देते रहे। सम्मेलन में पेंशनर्स एसोसियेशन के महामंत्री श्री अतुल स्वरूप ने बैंक प्रबन्धन के समक्ष पेंशनर्स की समस्याओं को उठाया तथा माग की कि पेन्शन अपडेशन, हमारे सभी बैंक स्टाफ को 50 प्रतिशत पेन्शन, अधिक स्वास्थ्य सेवायें, जमा ब्याज दरों में छूट आदि मांगे रखी तथा कहा इन्हें शीघ्रताशीघ्र सुलझाया जाये। श्री दिनेश बन्द्रा, अध्यक्ष, पेंशनर्स एसोसियेशन ने केन्द्र सरकार के पेंशनर्स की तरह पेन्शन अपडेशान एवं 80 वर्ष के बाद पेंशन वृद्धि की मांग की। इसके बाद संघ द्वारा श्री शरद एस. चाण्डक को उनकी बैंक सेवा से निवृत होने पर भावभीनी विदाई दी तथा मण्डल में उनके द्वारा पेन्शनर्स हित में किये गये कार्यों हेतु धन्यवाद किया। कार्यक्रम में अनेक पेंशनर्स साथियों ने अपनी समस्याओं से अवगत कराया। अंत में अंचल प्रमुख श्री धीरज कुमार ने सभी अतिधियों का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि अंचल की शाखाओं में पेन्शनरों के हितों का पूरा ध्यान रखा जायेगा। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती जया अवस्थी, मुख्य प्रबन्धक (कार्मिक) ने किया।

समाचार

उत्तर प्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उद्घाटन समारोह के अवसर पर मैराथन दौड़ का किया गया आयोजन हुआ सफल

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उद्घाटन के शुभ अवसर पर मैराथन दौड़ का आयोजन में आई ए एस अनिल कुमार सिंह द्वारा तमाम प्रतिष्ठित अधिकारियों सहित अधिकांश बैंक कर्मचारियों व अधिकारियों को आमंत्रित किया मैराथन दौड़ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि योगी आदित्यनाथ ने मैराथन में हिस्सा लेने वाले सभी सम्भ्रांत जनो को टीशर्ट वितरित की और जनता को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी किया मैराथन दौड़ की समाप्ति के बाद भाग लेने वाले प्रतिभागियों के लिये उचित और बेहतर जलपान की भी व्यवस्था थी ,जे पी एस राठौर सहकारिता मंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ का स्वागत व सम्मान किया गया जिसके बाद मैराथन की शुरुआत की गई कार्यक्रम में हिस्सा ले कर आशीष त्रिपाठी ,अरविन्द, जगदीश कुमार ,राकेश कुमार ने अहम भूमिका निभाई मैराथन दौड़ मुख्यमंत्री आवास से 1090 होते हुए मरीन ड्राइव तक सम्पन्न हुई ।।

चिनहट क्षेत्र में पानी के निकास की समस्या गहराई

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ के चिनहट क्षेत्र के सतरिख रोड, सरायशेख गांव में पानी के निकास की समस्या गहराई बनी हुई है। इस गांव में पानी के निकास की कोई उचित व्यवस्था नहीं है, जिसके कारण गंदा पानी एक गड्ढे में जमा हो जाता है। यह पानी आस-पास के भूमिगत जल को भी दूषित कर रहा है। दुर्गंध से लोगों का जीना मुहाल हो गया है और गंदे पानी की वजह से बीमारी फैलने की आशंका बनी रहती है। मोहल्ले वासियों का कहना है कि वर्षों से यह समस्या बनी हुई है, बारिश में ज्यादा परेशानी होती है। पिछले दो साल से यह क्षेत्र लखनऊ नगर निगम का हिस्सा है, लेकिन इसके बावजूद गांव के पानी के निकास की कोई उचित व्यवस्था नहीं बन पा रही है। मोहल्ले वासियों ने कहा कि कई बार नगर निगम, सांसद, विधायक को सड़क और नाली बनाने के लिए आवेदन दिया गया है, लेकिन कोई ध्यान नहीं देता। इस समस्या के समाधान के लिए, लखनऊ नगर निगम को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए और गांव में पानी के निकास की उचित व्यवस्था करनी चाहिए। साथ ही, स्थानीय विधायक और सांसद को भी इस समस्या का समाधान करने के लिए कदम उठाने चाहिए।

लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंह की प्रतिक्रिया

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। ﬕमहाकुंभ में यह हादसा अत्यंत दर्दनाक और असहनीय है। लोकदल परिवार उन परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया। यह त्रासदी सरकार की असफलता और प्रशासनिक कुप्रबंधन का प्रतीक है शुरुआत से ही सरकार का ध्यान प्रचार प्रसार आंकड़े दिखाने में लगा रहा। आम जनता की बजाय वीवीआईपी सेवाओं पर था। वीवीआईपी लोग गाड़ियों से सीधे नदी के तट तक पहुंचे, जबकि आम लोग लंबा सफर पैदल तय करने को मजबूर हुए। सबसे शर्मनाक है कि सरकार अब तक मृतकों की सही संख्या जारी नहीं कर पाई, जो उनकी असंवेदनशीलता दर्शाता है। 10,000 करोड़ रुपये का बड़ा हिस्सा सिर्फ 2 लोगो वाली फोटो और उनके प्रचार में खर्च हुआ, जबकि सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की अनदेखी की गई। सरकार को अब दिखावे से हटकर आम जनता की सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आगे ऐसी त्रासदी न हो।

सीएम ने महाकुम्भ में हुई घटना पर जताया दुख, न्यायिक जांच के दिये आदेश

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने महाकुम्भ में हुई घटना पर दुख जताया। उन्होने घटना के न्यायिक जांच के आदेश दिये। साथ ही मृतकों के परिजनों को 25 लाख की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया। सीएम ने कहा ﬕमहाकुम्भ-2025, प्रयागराज में हुई घटना अत्यंत दुःखद है, मर्माहत करने वाली है।मृतकों को विनम्र श्रद्धांजलि व मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। सभी पूज्य संतों, श्रद्धालुओं, प्रदेश एवं देश वासियों से मेरी अपील है कि अफवाह पर कोई ध्यान न दें, संयम से काम लें, प्रशासन आप सभी की सेवा के लिए तत्परता से कार्य कर रहा है ।

रैम्प कार्य शुरु न होने पर भड़की कमिश्नर

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब ने बुधवार को अवध बस स्टैंड (कमता चौराहा) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बस स्टैंड के पीछे रैम्प का कार्य स्टार्ट न होने पर नाराजगी जताई। कमिश्नर ने लखनऊ विकास प्राधिकरण के मुख्य अभियंता को सख्त निर्देश दिए कि तत्काल रैम्प का कार्य व गेट चौड़ीकरण का कार्य शुरु हो जाना चाहिए। जिससे बस स्टैंड पर जाम की स्थिति न उत्पन्न होने पाए और बसों का आवागमन सुचारू रूप से चलता रहे। निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने बस स्टैंड की अन्य व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया और यात्रियों को हो रही असुविधाओं को दूर करने के लिए कदम उठाने को कहा। उन्होंने कहा कि बस स्टैंड पर यातायात का दबाव कम करने और यात्रियों को बेहतर अनुभव देने के लिए योजनाओं को समय पर पूरा करना प्राथमिकता होनी चाहिए। मंडलायुक्त ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य में देरी के लिए जिम्मेदारियों को तय किया जाए और नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित कराएं। मौके पर नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह, एलडीए व परिवहन विभाग के संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दिव्यांग सहित दो अलग-अलग मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में रहने वाले दोनों पैरों से दिव्यांग सहित दो अलग-अलग लोगों ने गाली गलौज मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बंथरा के सहिजनपुर गांव निवासी आलोक गुप्ता के मुताबिक वह बीती 27 जनवरी को रात करीब 9 बजे अपनी कार से वापस हरौनी से घर जा रहा था। आरोप है कि तभी गांव के पास पहुंचते ही गांव में रहने वाले सुशील पाल ने उसे रोक कर अपने साथी पंकज पाल और अजय रावत के साथ मिलकर कार से घसीट कर बुरी तरीके से उसे मारा पीटा। पीड़ित का कहना है कि इस मारपीट से उसकी आंख व शरीर के अन्य अंगों पर गंभीर चोटें आई हैं।

एनजीटी में बतौर अधिवक्ता उपस्थित होना, मेरे लिए केवल मात्र एक कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि भावनात्मक संकल्प था : डॉ राजेश्वर सिंह

● गढ़ी चुनौटी केस जितने की खुशी में लखनऊ एयरपोर्ट पर राजेश्वर सिंह का कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर । राजधानी लखनऊ के सरोजनीनगर क्षेत्र स्थित थाना बंथरा के अंतर्गत गढ़ी चुनौटी के निवासी अपने घरों के विध्वंस के खतरे का सामना कर रहे थे, क्योंकि राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (द्यएनजीटी द्वारा अतिक्रमण हटाने का आदेश जारी किया गया था। यह आदेश 9 नवम्बर 2022 और 30 दिसम्बर 2022 को संयुक्त समिति की रिपोर्ट पर आधारित था, जिसमें गढ़ी चुनौटी, लखनऊ में चंडी बाबा तालाब के आसपास के क्षेत्रों में अतिक्रमण का उल्लेख किया गया था। इन निवासियों के पास वर्षों से अपने घर और भूमि पर कब्जा था। इनकी कुल भूमि 36.909 हेक्टेयर थी, जिसमें से केवल 3.1859 हेक्टेयर भूमि को अतिक्रमित माना गया था। डॉ. राजेश्वर सिंह ने इन निवासियों की कानूनी मदद की और उनका पक्ष पेश किया। अतिक्रमण मामले में प्राकृतिक न्याय के उल्लंघन को चुनौती डॉ. राजेश्वर सिंह ने दी। तर्क यह था कि अतिक्रमण हटाने के आदेश में प्राकृतिक

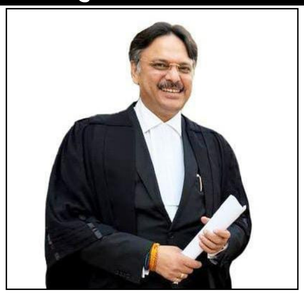

न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन किया गया था, क्योंकि निवासियों को सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया। 8 अगस्त 2024 को न्यायाधिकरण ने यह टिप्पणी की कि अतिक्रमण हटाने में अधिक समय नहीं लिया जा सकता और जिलाधिकारी को इसे प्रभावी रूप से लागू करने का निर्देश दिया था। 19 नवम्बर 2024 को मामले की सुनवाई के दौरान यह दर्ज किया गया कि जिलाधिकारी, लखनऊ ने अतिक्रमण हटाने के लिए पूरी ताकत के साथ कदम उठाए थे और इसे तीन महीने में पूरा करने का आश्वासन दिया था। डॉ. सिंह ने यह कहा कि पहले निवासियों की पुनर्वास योजना पर ध्यान देना चाहिए और फिर अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए। डॉ. राजेश्वर सिंह की रणनीतिक कानूनी पहल से स्थगन आदेश प्राप्त हुआ। अपने कानूनी कौशल का उपयोग करते हुए डॉ. राजेश्वर सिंह ने राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण से स्थगन आदेश प्राप्त किया, जिससे निवासियों के घरों के विध्वंस पर रोक लग गई। यह आदेश इस बात को सुनिश्चित करता है कि विध्वंस केवल उचित सुनवाई और प्रक्रियाओं के बाद ही किया जा सके। डॉ. सिंह ने यह भी सुनिश्चित किया कि जिलाधिकारी द्वारा दी गई प्रक्रिया को सही तरीके से लागू किया जाए। ध्यान पुनर्वास की ओर गया डॉ. राजेश्वर सिंह की वकालत से डॉ. सिंह ने न्यायाधिकरण में यह भी तर्क दिया कि पहले अतिक्रमण से मुक्त 33 हेक्टेयर भूमि का संरक्षण और विकास किया जाना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि जब तक पुनर्वास योजना पूरी नहीं होती, तब तक किसी भी प्रकार की विस्थापन प्रक्रिया नहीं होनी चाहिए। उनकी कानूनी पहल ने यह सुनिश्चित किया कि पुनर्वास का ध्यान पहले रखा जाए, और पुनर्वास के बिना किसी भी कदम को उठाने से रोका गया। डॉ. राजेश्वर सिंह की पहल ने उनके समर्पण को प्रदर्शित किया, जो उन्होंने विशेष रूप से अनुसूचित जातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए किया। उनके कार्यों ने यह स्पष्ट किया कि वे कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा करने में विश्वास रखते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि उन्हें अनावश्यक रूप से विस्थापित या उपेक्षित न किया जाए। उनका यह कदम उनकी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के विचारों के अनुरूप था, जो हमेशा गरीब और पिछड़े वर्गों के साथ खड़ी रहती है। डॉ. राजेश्वर सिंह की कानूनी विशेषज्ञता से गढ़ी चुनौती निवासियों के लिए उचित प्रक्रिया सुनिश्चित हुई। अपने निरंतर कानूनी प्रयासों के जरिए, डॉ. राजेश्वर सिंह ने यह सुनिश्चित किया कि गढ़ी चुनौती के निवासी अपनी संपत्तियों से बिना उचित कानूनी प्रक्रिया के न हटाए जाएं। उनकी मेहनत और समर्पण ने यह सिद्ध कर दिया कि किसी भी प्रकार के विध्वंस और विस्थापन के पहले उचित सुनवाई और प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए, ताकि किसी का भी अधिकार न छिन जाए।

पार्षद ने 10 लाख रुपए की लागत से नाली इंटरलॉकिंग सड़क नवनिर्माण कार्य का किया शिलान्यास

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनी नगर सेकेंड 18 में सैनिक नगर बदाँली खेड़ा कालोनी में माया कश्यप के घर से पूजा गुप्ता के घर होते हुए शावेज अहमद के घर तक नाली व इंटरलॉकिंग का नवनिर्माण कार्य का शिलान्यास पार्षद राम नरेश रावत एडवोकेट के द्वारा किया गया। पार्षद ने बताया कि कार्यक्रम को पूरी विधि विधान से पूजा-पाठ कार्य करवाकर प्रीतम सिंह, आलोक श्रीवास्तव, व फूलचंद गौतम से नारियल तुड़वाकर कार्य का शिलान्यास पार्षद राम नरेश रावत एडवोकेट के द्वारा किया गया । 10 लाख रुपए की नगर निगम निधि से सैनिक नगर बदाँली खेड़ा मे नाली व इंटरलॉकिंग सड़क का नवनिर्माण कार्य किया जाएगा । सभी ने एक दूसरे को माला पहना कर मिठाई खिलाकर खुशी मनाई जो लगभग 30 वर्षों से ये 100 मीटर लंबी सड़क कच्ची पड़ी हुई थी। राजनाथ सिंह रक्षा मंत्री भारत सरकार विधायक राजेश्वर सिंह जी महापौर सुषमा खर्कवाल जी नगर अध्यक्ष आनंद द्रिवेदी मंडल अध्यक्ष के के श्रीवास्तव और नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह के सहयोग और आशीर्वाद से इस कालोनी में ये निर्माण का कार्य होने जा रहा है । आज कार्यक्रम में पार्षद राम नरेश रावत एडवोकेट के साथ संतोष त्रिपाठी बूथ अध्यक्ष,जयराम यादव, सतीश रावत, ,राजू सिंह, आशीष पाल, अनुराग पाल, संदीप सिंह, रामाजन यादव संदीप सिंह, सलमान, अब्दुल रहमान खान, मैहर जहां, आसमा, रिजवाना बानो, बबीता जायसवाल, शावेज खान, अस्मिता खान, जावेद खान, नींबू खान, रिहान खान, चोखेलाल, अमजद अली, इसरार अहमद, सतवीर कश्यप, शिवराम सिंह, नवीन सिंह, विजेंद्र यादव, रामशंकर वर्मा, प्रमोद यादव, सुरेंद्र, कार्तिक, पूजा, फैमीदा, प्रीति, अतुल, विनय, गुड्डू, राजेश, नवीन, जूली, विनय, किरण देवी, रेशमा देवी, रेखा पांडे, शाही, शाहजहां बानो, सबीना सिद्दीकी, विनीता, कमला, लाली देवी, परवीन बानो, सनी विश्वकर्मा, राजकुमारी, रिंकी सिंह, अमन राजपूत, सुनीता देवी, आशा, पूनम, रेखा देवी,सैनिक नगर बदाँली खेड़ा, कालोनी के तमाम लोग उपस्थिति रहे।

आंदोलन की राह पर उप्र डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन अधिकारियों की उदासीनता के कारण फार्मासिस्टों में रोष व्याप्त

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन उत्तर प्रदेश शासन एवं महानिदेशालय के अधिकारियों की उदासीनता के चलते आंदोलन के रास्ते पर जाने के लिए मजबूर हो गया है। डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष संदीप बडोला एवं महामंत्री राजेंद्र कुमार सिंह पटेल ने बुधवार को प्रेसवार्ता कर बताया कि संगठन प्रदेश के फार्मासिस्टों की समस्याओं जो लंबे से जस की तस बनी हुई है से प्रदेष के सीएम, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री तथा शासन एवं महानिदेशालय के अधिकारियों को अवगत कराता आया है, परंतु अधिकारियों की उदासीन रवैये के कारण समस्याओं निराकरण नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा की प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण चिकित्सालय में कार्यरत फार्मासिस्ट प्रदेश की चिकित्सा व्यवस्था की रीढ़ के रूप में कार्य कर रहे हैं परंतु विगत कई वर्षों से संवर्ग की लंबित समस्याओं को समाधान होना तो दूर शासन स्तर पर एक भी द्विपक्षीय वार्ता तक आयोजित नहीं हुई है। जिस कारण फार्मासिस्ट संवर्ग में समस्याओं का अंबार लग गया है, जिससे फार्मासिस्टों में अत्यधिक रोष व्याप्त हो रहा है। संदीप बडोला ने बताया कि पदनाम परिवर्तन जैसी गैर वित्तीय मांग भी लंबे समय से लंबित चल रही है। पदनाम परिवर्तन पर सूबे के मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री के सहमती के बावजूद प्रदेश के लगभग 250 सक 300 विधायकों एवं सांसदों द्वारा फार्मेसी संवर्ग के पदनाम परिवर्तन के लिए सरकार को पत्र लिखे जाने के बाद भी आज तक फार्मासिस्ट संवर्ग के पदनाम परिवर्तन नहीं किए गए। वेतन उच्ची करण ,पदों के सृजन के मानकों में संशोधन की मांग लंबे

समय से लंबित है। सरकार के निर्देश पर प्रदेश के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र 24 घंटे संचालित हो रहे हैं जहां फार्मासिस्ट के मात्र दो पद हैं। वर्तमान में सामुदायिक स्वास्थ्य केदो में 800 से 1000 मरीज प्रतिदिन आते हैं जहां औषधि भंडारण, औषधि वितरण, इंजेक्शन, ए और बी ,ड्रेसिंग, प्लास्टर, पोस्टमार्टम, वीआईपी ड्यूटी सहित 24 घंटे इमरजेंसी ड्यूटी मात्र दो फार्मासिस्ट किस प्रकार कर सकते हैं। संदीप बडोला नने बताया कि वर्ष 2005 के बाद से नियुक्त फार्मासिस्टों की वरिष्ठता सूची विभाग पिछले 20 वर्षों में नहीं बन पाया जबकि उच्च पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया लंबे समय तक नहीं की जाती है। सरकार द्वारा कर्मचारियों को दी जाने वाली सुविधाएं समय पर नहीं दी जा रही हैं। फार्मासिस्टों का नियुक्ति अधिकारी जनपदीय अधिकारी सीएमओ एवं सीएमएस होते हैं एवं शासनादेश अनुसार फार्मासिस्टों को मिलने वाली एसीपी जनपदीय अधिकारियों द्वारा प्रदान की जाती रही है परंतु दिनांक 4 दिसंबर 2023 को तत्कालीन महानिदेशक द्वारा नियम विरुद्ध तरीके से शासनादेश का ही अतिक्रमण कर दिया एवं फार्मेसी संवर्ग की ए सी पी अनुमोदन के लिए महानिदेशालय भेजने का आदेश जारी कर दिया जिस कारण फार्मासिस्टों के ए सी पी के प्रकरण पिछले एक-एक वर्ष से लंबित पड़े हैं। इससे उनका आर्थिक नुकसान हो रहा है और सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधा का लाभ फार्मेसी संवर्ग को नहीं मिल पा रहा है। साथ ही पिछले 5 वर्षों से वार्ता लंबित होने के कारण वित्तीय-गैर वित्तीय समस्याओं एवं जनहित से जुड़ी हुई मांगों का अंबार लग गया है। सरकार के निर्देशों का पालन अधिकारी नहीं कर रहे हैं जिसके कारण कर्मचारियों का आक्रोश बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की उदासीनता के चलते डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन आंदोलन के रास्ते पर हैं। आंदोलन के चैथे चरण में प्रदेश भर के फार्मेसिस्ट संवर्ग के अधिकारी व कर्मचारी दिनांक 31 जनवरी 2025 को महानिदेशालय, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें उत्तर प्रदेश लखनऊ पर धरना देकर प्रदर्शन करेंगे साथ ही अग्रिम आंदोलन की घोषणा की जाएगी । प्रेस वार्ता में प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष सालिगराम त्रिपाठी ,कोषाध्यक्ष अजय पांडे, संरक्षक आर एन डी द्विवेदी ,प्रवक्ता एस एम त्रिपाठी, कार्यालय सचिव शंकर पटेल, लखनऊ मंडल के अध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, मनमोहन मिश्रा एवं विवेक श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित
गुरुवार, 30 जनवरी, 2025

संपादकीय

जलवायु संकट में बच्चे

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि ग्लोबल वार्मिंग ने हमारे दरवाजे पर दस्तक दे दी है। रिकॉर्ड तोड़ गर्मी से जहां सामान्य जन-जीवन बाधित है, वहीं खेती किसानी पर भी नया संकट मंडरा रहा है। खासकर भारत जैसे देश में जहां अधिकांश कृषि मानसूनी बारिश पर निर्भर है। सबसे बड़ा संकट हमारे कृषि क्षेत्र पर है, जहां उत्पादकता घटने से हमारी खाद्य सुरक्षा खतरे में पड़ती नजर आ रही है। लेकिन अब 'नेचर क्लाइमेट चेंज' पत्रिका में प्रकाशित वह रिपोर्ट चौंकाती है, जिसमें खुलासा किया गया है कि भारत में करीब साढ़े पांच करोड़ बच्चों की शिक्षा हीटवेव से बाधित हुई है। यह संकट यूं तो पूरी दुनिया में है लेकिन दक्षिण एशिया के अन्य देशों के मुकाबले दुनिया की सर्वाधिक जनसंख्या वाले भारत में इसका ज्यादा प्रभाव देखा गया है। रिपोर्ट दावा करती है कि वर्ष 2024 में लू के कारण भारत में शिक्षा व्यवस्था पर खासा प्रतिकूल असर पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफकी रिपोर्ट 'लर्निंग इंटरप्टेड रू ग्लोबल स्नैपशॉट ऑफ क्लाइमेट-रिलेटेड स्कूल डिसरप्शंस इन 2024' में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। उल्लेखनीय है कि अब तक कृषि व मौसम के चक्र पर ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के अध्ययन निष्कर्ष तो सामने आए, लेकिन बच्चों के प्रति कोई ऐसा संवेदनशील अध्ययन सामने नहीं आया था। जिसने जहां एक ओर अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी, वहीं सरकार पर दबाव बनाया कि वह बच्चों व शिक्षा पर जलवायु परिवर्तन से होने वाले असर को कम करने के लिये कारगर नीतियां यथाशीघ्र बनाये। निस्संदेह, यह अध्ययन देश के नीति-नियंताओं को चेताता है कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिये शिक्षा ही नहीं स्वास्थ्य आदि अन्य क्षेत्रों में व्यापक पैमाने पर काम करने की जरूरत है। शिक्षाविदों के साथ ही चिकित्सा बिरादरी के लोगों को भी इस ज्वलंत मुद्दे पर मंथन करने की जरूरत है क्योंकि अध्ययन में वर्ष 2050 तक बच्चों पर गर्म हवाओं का असर आठ गुना तक बढ़ने की आशंका है। बीता साल एक सदी से अधिक अवधि के बाद का सबसे गर्म साल घोषित किया गया है। मौसम विभाग ने सूचित किया था कि वर्ष 2024 वर्ष 1901 के बाद सबसे अधिक गर्म साल रहा है। जो ग्लोबल वार्मिंग के भयावह संकट को ही उजागर करता है। यह भी कि यदि देश-दुनिया में ग्रीन हाउस गैसों के नियंत्रण के लिये वैश्विक सहमति शीघ्र नहीं बनती तो आने वाले वर्षों में तापमान में और वृद्धि हो सकती है। जो न केवल बच्चों की शिक्षा बल्कि उनके स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर डालेगा। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष ने चेतावनी दी है कि ग्लोबल वार्मिंग संकट से बच्चों की शिक्षा बाधित होने से उनके भविष्य पर दुष्प्रभाव पड़ेगा। लू की गर्म लहरों के बीच छोटे बच्चों का स्कूल जाना संभव नहीं हो पाता। अभिभावक भी पढ़ाई की तुलना में उनके जीवन को प्राथमिकता देते हैं। ऐसे में समय रहते स्कूलों के समय निर्धारण में परिवर्तन और बढ़ती गर्मी से जुड़ी सावधानियों के प्रति जागरूकता बढ़ाकर इस संकट का मुकाबला किया जा सकता है। इसके अलावा देश में जलवायु परिवर्तन प्रभावों का हमारे जन-जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों के मूल्यांकन के लिये व्यापक अध्ययन व शोध करने की जरूरत महसूस की जा रही है। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो इसके प्रभाव दीर्घकालीन हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि यूनीसेफने जिस अध्ययन का हवाला दिया है वह ओस्लो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के निष्कर्ष हैं। यह कोशिश भारत के विश्वविद्यालयों व शोध संस्थानों द्वारा की जानी चाहिए ताकि निष्कर्ष भारतीय परिस्थितियों के हिसाब से स्वदेशी अध्ययन के चलते अधिक प्रमाणिक हों। लेकिन इसके अलावा ओस्लो विश्वविद्यालय के अध्ययन में उल्लेखनीय तथ्य यह है कि भारत को ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों की दृष्टि से अधिक संवेदनशील बताया गया है। हालांकि, बीते वर्ष ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों से पूरी दुनिया के चौबीस करोड़ बच्चों की पढ़ाई मौसम की तल्खी से बाधित हुई है। बड़ी संख्या में बच्चे मौसमी व्यवधानों के चलते स्कूल नहीं जा पाए। निस्संदेह, परीक्षा परिणाम प्रभावित होने से बच्चों के भविष्य पर इसका प्रतिकूल असर दीर्घकालिक हो सकता है।

सवालों में यूसीसी का फैसला

हमारी विदेश नीति पर गंभीर सवालआरक्षण में उप-कोटा की अनुमति देने वाले फैसले में छिपा संभावित राजनीतिक मोड़ 27 जनवरी से उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता यानी यूनिफर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू हो गया है। भाजपा शुरुआत से यूसीसी की वकालत करती आई है। उसके चुनावी घोषणापत्र में यूसीसी लागू करने का वादा किया जा चुका है। फ्लिहाल भाजपा शासित उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य बन गया है। जिस तरह से इसे भाजपा की बड़ी उपलब्धि के तौर पर पेश किया जा रहा है, आश्चर्य नहीं कि जल्द ही दूसरे भाजपा शासित राज्यों में ऐसा ही फैसला लिया जाए। यूसीसी लागू होने के बाद उत्तराखंड में सभी धर्मों के लिए शादी की न्यूनतम उम्र लड़कों के लिए 21 साल और लड़कियों के लिए 18 साल होगी, तलाक के नियम और प्रक्रियाएं एक समान होंगी, वहीं दूसरी शादी की अनुमति तभी होगी, जब पहली पत्नी से तलाक हो चुका हो या वह नहीं रही हो। अब सभी धर्मों में बेटियों को माता-पिता की संपत्ति में समान अधिकार मिलेगा और सभी धर्मों की महिलाओं को गोद लेने का समान अधिकार भी होगा। यूसीसी में एक बड़ा फैसला लिव-इन रिलेशनशिप यानी बिना विवाह के सहजीवन में रहने वालों के लिए है, ऐसे जोड़ों को अब रजिस्ट्रेशन करवाना होगा और इसके लिए दोनों का बालिग होना जरूरी है, साथ ही उनके बीच खून का रिश्ता या पारिवारिक संबंध नहीं होना चाहिए। यूसीसी में प्रावधान है कि अगर लिव इन में रहते हुए बच्चा होता है, तो उसे वैध माना जाएगा। लिव-इन रिश्ता खत्म होने पर महिला भरण-पोषण और गुजारा भत्ता का दावा कर सकेगी। अगर किसी ने एक महीने के भीतर लिव-इन का रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया, तो उसे 3 महीने की जेल और 10 हजार रुपये का जुर्माना हो सकता है। गलत जानकारी देने पर जुर्माना बढ़कर 25 हजार रुपये तक हो सकता है। यूसीसी में उत्तराखंड की अनुसूचित जनजातियों को छूट दी गई है, इन्हें संविधान के भाग 21 के तहत संरक्षण प्राप्त है। ये जनजातियां राज्य की कुल जनसंख्या का लगभग 3 प्रतिशत हैं। भाजपा यूसीसी को प्रगतिकारी और महिला समर्थक कानून के तौर पर पेश कर रही है। लेकिन बारीकी से पड़ताल करें तो यह भाजपा की तरफसे संविधान बदलने की कोशिश का एक और कदम नजर आएगा। संविधान के भाग चार के अनुच्छेद 44 में वर्णित नीति निर्देशक तत्वों में कहा गया है राज्य भारत के पूरे क्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा्य गौरतलब है कि यहां राज्य का तात्पर्य संघ सरकार से है। इसलिए केंद्र सरकार नहीं बल्कि कोई राज्य यूसीसी लागू करे तो यह सीधे तौर पर संविधान की अवहेलना है। प्रधानमंत्री ने पिछले साल जुलाई में मुस्लिम पर्सनल लॉ का जिक्र करते हुए कहा था कि, श्एक घर में, यदि एक सदस्य के पास एक कानून है और दूसरे सदस्य के पास दूसरा कानून है, तो क्या वह घर, परिवार चल सकता है? तो दोहरी व्यवस्था से देश कैसे चलेगाय लेकिन अब उन्हीं की नाक के नीचे एक राज्य ने यूसीसी लागू कर दिया, यानी उत्तराखंड में एक व्यवस्था लागू हो गई और बाकी राज्य में दूसरी व्यवस्था लागू है। अब क्या श्री मोदी ये बताएंगे कि एक राज्य के नागरिकों को अलग कानून और दूसरे राज्य के नागरिकों को अलग कानून का पालन क्यों करना पड़ रहा है। उत्तराखंड के यूसीसी में संविधान का हवाला देते हुए अनुसूचित जनजातियों को अलग रखा गया है। लेकिन सरकार को संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 क्यों नहीं याद रहे जो धार्मिक स्वतंत्रता के मूल अधिकारों की व्याख्या करते हैं। अनुच्छेद 25 कहता है, श्सभी व्यक्ति अंतरात्मा की स्वतंत्रता और सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के अधीन धर्म को स्वतंत्र रूप से मानने, अभ्यास करने और प्रचार करने के समान रूप से हकदार हुं।

कांग्रेस लगभग अकेली है सामाजिक न्याय की लड़ाई में

दीपक पाचपोर

> वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य से दो बातें बिलकुल साफ हैं- पहली तो यह कि सामाजिक ध्रुवीकरण का मुकाबला केवल सामाजिक न्याय के जरिये ही सम्भव हैय और दूसरे, न्याय की इस लड़ाई में कांग्रेस लगभग अकेली है

वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य से दो बातें बिलकुल साफ हैं- पहली तो यह कि सामाजिक ध्रुवीकरण का मुकाबला केवल सामाजिक न्याय के जरिये ही सम्भव हैय और दूसरे, न्याय की इस लड़ाई में कांग्रेस लगभग अकेली है। इसमें कुछ साथी जरूर उसके साथ यदा-कदा दिख पड़ते हैं लेकिन उनका साथ स्थायी मानकर न ही चला जाये तो बेहतर होगा। जिस ढंग से कांग्रेस ने सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक न्याय का एक मुकम्मल पैकेज पेश किया है, उसे आगे बढ़ाने की ताकत ज्यादातर सियासी दल खो चुके हैं- फिर चाहे वे कांग्रेस के सीधे विरोधी हों या उसकी सहयोगी पार्टियां जो इंडिया गठबन्धन के हिस्से हैं। उम्मीद तो यही की जा रही थी कि इस लड़ाई को पूरा प्रतिपक्षी गठजोड़ मिलकर लड़ता, लेकिन साफ दिखता है कि इस संघर्ष से वह एक तरह से दूरी बनाये हुए है। गिनती के कुछ दल ऐसे हैं जो इस विमर्श को अपनी विचारधारा के अनुरूप या समीप पाते हैं, पर एक सीमा तक आकर तो उन्हें ठहर जाना होता है या वे लौट जाते हैं। बेहतर हो कि कांग्रेस पहले से यह मानसिकता बनाकर इस लड़ाई को तेज करे कि, जो साथ आये उसका भी भला, जो न आये उसका भी भला! न्याय की इस लड़ाई का फ्लक वैसे तो काफी बड़ा होना था और उसमें वे सारे दल शामिल होकर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ लड़ते जो राहुल गांधी द्वारा निकली दोनों भारत जोड़ो यात्राओं में संग-संग चले थे, क्योंकि सामाजिक न्याय का यह तत्व उन्हीं दो यात्राओं से निकला है। दूसरे, जो भी भाजपा के खिलाफ लड़ाई में इंडिया के साथ लड़ने को उतरे हैं, उनके लिये यह एक तरह से अघोषित साझा न्यूनतम कार्यक्रम है। श्न्यायश् की यह लड़ाई त्रिकोणीय है- सामाजिक के साथ राजनीतिक व आर्थिक भी। श्भारत जोड़ो यात्राश् (कन्याकुमारी से श्रीनगर- 7 सितम्बर, 2022 से 30 जनवरी, 2023 तक) तो राहुल ने नफरत के माहौल को खत्म करने के लिये निकाली थी, पर दूसरी यात्रा (मणिपुर से मुम्बई- 14 जनवरी से 18 मार्च, 2024) का नाम इसलिये श्भारत जोड़ो न्याय यात्राश् रखा गया क्योंकि तब तक यह विमर्श प्रगाढ़ व मुखर हो गया था। सियासी व चुनावी रणनीति पर विचार करते हुए गठबन्धन को इस बात का इल्म हो चला था कि भाजपा के ध्रुवीकरण के खिलाफ सामाजिक न्याय ही कारगर काट है। भूले-भटके भाजपा की पिच पर जा पहुंचने वाली कांग्रेस भी सतर्क हुई तथा उसने सामाजिक न्याय की मिट्टी बिछाकर खुद का अखाड़ा तैयार किया जिस पर आकर खेलने के लिये भाजपा को अक्सर मजबूर होना पड़ रहा है। जब न्याय की बात चलती है तो संविधान अपने आप उपस्थित हो जाता है। जो संविधान एक तरह से कांग्रेस व बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की देन है, उसकी वही भाजपा संरक्षण बनने के लिये छटपटा उठी जो अब तक उसके खिलाफ थी।

इसका आभास भाजपा को पिछले वर्ष हुए लोकसभा के चुनावों में हो गया था। संविधान बदलने की मंशा से 370 सीटें पाने का उसका लक्ष्य ध्वस्त हो गया और वह 240 पर सिमट गयी। कुल 400 के पार वह जाना चाहती थी। सरकार बनाने के लिये उसे तेलुगु देसम पार्टी व जेडीयू का सहारा लेना पड़ा। वैसे भाजपा को बीच चुनाव में आभास होने लगा था कि उसके कुछ साथियों का संविधान बदलने का प्रलाप उसे महंगा पड़ने जा रहा है, लिहाजा उसने अपना रंग बदला और खुद को संविधान का रक्षक बतलाने का दावा पेश कर दिया, क्योंकि सभी तरह के न्याय व अधिकारों का वही उत्स है। चुनाव के दौरान ही प्रधानमंत्री मोदी ने कहना शुरू किया कि जब तक वे हैं तब तक संविधान बदलने तथा आरक्षण खत्म करने की अनुमति वे किसी को नहीं देंगे। हालांकि यह दांव बहुत काम नहीं आया। जो भी हो, संविधान चर्चा के केन्द्र में तभी से आ गया। संविधान के प्रति अपना प्रेम व श्रद्धा जतलाने के लिये पिछले दिनों संसद का दो दिवसीय सत्र इसी विषय पर किया गया- संविधान की 75 वर्षों की स्वर्णिम यात्रा। इसे लेकर भाजपा या उसका गठबन्धन (नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस) बहुत कुछ हासिल नहीं कर सका लेकिन संविधान और उसके निमित्त सामाजिक न्याय आम बहस में आ गया। इसी चर्चा के दौरान विपक्षी सदस्यों द्वारा अंबेडकर का नाम लिये जाने पर जब केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर...वाला तंज कसा तो देश भर में बवाल हो गया। शाह के इस्तीफे व माफी की मांग तो उठी ही, मोदी से कहा गया कि वे शाह को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करें। वह लड़ाई संसद के बाहर बड़े रूप में पहुंची। बेलगावी (कर्नाटक) में कांग्रेस ने एक विशेष अधिवेशन पिछले साल 26 व 27 दिसम्बर को आयोजित किया था जो ठीक 100 वर्ष पूर्व इसी जगह पर इन्हीं तारीखों पर आयोजित किये गये ऐतिहासिक अधिवेशन की याद में था जिसकी अध्यक्षता महात्मा गांधी द्वारा की गयी थी।

इस अधिवेशन के लिये कांग्रेस ने जय बापू जय भीम जय संविधान का नारा देकर सामाजिक न्याय के लिये अपनी प्रतिबद्धता का इजहार किया। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से वह कार्यक्रम एक ही दिन हो सका था। पिछले हफ्ते सुवर्ण सौध कहे जाने वाले उस स्थल पर कांग्रेस ने महात्मा गांधी की विशालकाय प्रतिमा स्थापित की है। साथ ही कांग्रेस ने बाबासाहेब की जन्म स्थली महू (इंदौर के निकट, मध्यप्रदेश) में संविधान रक्षा के प्रति अपनी कटिबद्धता जाहिर करने के लिये सोमवार को विशाल रैली की जिसमें बहुत विस्तार से राहुल गांधी ने संविधान के महत्व को प्रतिपादित करते हुए बताया कि वंचित समाज के लिये उसकी रक्षा क्यों जरूरी है। कहने को तो कांग्रेस एक बड़े गठबन्धन का नेतृत्व कर रही है। भाजपा-एनडीए के खिलाफ इंडिया न सिर्फ एकमात्र गंठजोड़ है वरना उसने अपनी ताकत को पिछले लोकसभा चुनाव में साबित भी किया है, परन्तु सामने यही दिखता है कि संविधान की रक्षा तथा उसकी सियासी महत्ता के बावजूद इस लड़ाई में कांग्रेस लगभग अकेली है। सैद्धांतिक तौर पर कुछ उसके सहयोगी दल हैं तो सही परन्तु वे उसके साथ मैदान में कहीं नहीं दिखते। बिहार के सीएम नीतीश कुमार तो चुनाव के पहले ही पलटी मार गये थे, तेजस्वी यादव (बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री), अखिलेश यादव (उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम) आदि इस लड़ाई में कांग्रेस के साथ राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय नहीं हैं न ही वे पर्याप्त मुखर हैं।

कैसा हो बजट-2025

डा. वरिंदर भाटिया

सामाजिक कल्याण में सुधार के लिए सभी निवेशों के बावजूद, रोजगार के लिए कृषि पर बहुत अधिक निर्भरता के कारण पिछले कुछ वर्षों में समग्र स्तर पर ग्रामीण आय में अच्छा प्रदर्शन नहीं हुआ है

जल्द ही बजट 2025 पेश किया जाएगा। देश के लोगों में बजट घोषणाओं को लेकर उत्सुकता बनी हुई है। आम आदमी, व्यापार जगत, इंडस्ट्री और वृहत समाज को इससे बहुत उम्मीदें होती हैं। देश की आजादी के साथ 26 नवंबर, 1947 को भारत के पहले वित्त मंत्री आरके शानमुखम चेट्टी द्वारा शुरू किया गया यह सफर निर्बाध तरीके से निर्मला सीतारमण तक चला आ रहा है। यह केंद्रीय बजट एक अप्रैल से शुरू होकर अगले साल 31 मार्च को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए देश की वित्तीय योजना को तय करेगा। सरकार 2025 के बजट में नया आयकर विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है। इसका मतलब है कि देश के 64 साल पुराने आयकर कानून में बदलाव हो सकता है। नए विधेयक का लक्ष्य मौजूदा कर नियमों को सरल बनाना, उन्हें समझना आसान बनाना और दस्तावेजों के आकार को लगभग 60 फीसदी तक कम करना है। जहां तक देश की आर्थिक स्थिति का सवाल है तो मौजूदा वित्त वर्ष के लिए पहले अग्रिम अनुमान के मुताबिक, जीडीपी ग्रोथ 6.4 फीसदी पर आती दिख रही है। इसको और गति चाहिए। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में उत्पादन 5.3 फीसदी ही बढ़ेगा, जो पिछले वित्त वर्ष में 9.9 फीसदी बढ़ा था। सर्विसेज सेक्टर की ग्रोथ 5.8 फीसदी रहने का अनुमान है, जो सालभर पहले 6.4 फीसदी थी। फाइनैंशल, रियल एस्टेट और प्रोफेशनल सेगमेंट की ग्रोथ 8.4 फीसदी के मुकाबले 7.3 फीसदी रहने का अनुमान है। पहला सुझाव है कि बजट 2025 में सैलरी क्लास को राहत देने के लिए यूनियन बजट में स्टैंडर्ड कटौती बढ़ाने का ऐलान किया जाना बेहतर होगा। वर्ष 2024-25 के यूनियन बजट में वित्त मंत्री ने इनकम टैक्स की नई रिजीम में स्टैंडर्ड डिडक्शन बढ़ाने का ऐलान किया था। लंबे समय से मिडिल क्लास इनकम टैक्स में छूट का दायरा बढ़ने की उम्मीद कर रहा है। बजट 2025 में मिडिल क्लास की यह उम्मीद सरकार पूरी कर सकती है। सुझाव है कि इस बार किसान सम्मान निधि की रकम बढ़ा देनी चाहिए। बजट 2024 में इसका अनुमान लगाया गया था। 2019 में पहली बार पीएम किसान सम्मान निधि का ऐलान किया गया था। उसके बाद से इसकी रकम नहीं बढ़ाई गई है।

फिलहाल इस स्कीम के तहत किसानों को हर साल 6000 रुपए मिलते हैं। सरकार 2000-2000 रुपए की तीन किस्तों में यह पैसा सीधे किसानों के अकाउंट में ट्रांसफर करती है। इससे किसान राहत महसूस करेंगे। काफी लोग आशा करते हैं कि सरकार को बजट 2025 में मिडिल क्लास के लिए टैक्स छूट बढ़ा देनी चाहिए। सरकार ने सबसे पहले 2022 में इनकम टैक्स की नई रिजीम का ऐलान किया था। उसके बाद से लगातार ऐसे फैसले लिए जा रहे हैं जिससे ज्यादा से ज्यादा टैक्सपेयर्स नए टैक्स रिजीम को चुनें। इसी तरह से सरकार ने कैपिटल गेंस टैक्स के नियमों में बजट 2024 में बदलाव किया था। इसे और आसान बनाए जाने की जरूरत है। सुपर रिच यानी अधिक अमीर लोगों पर 2 फीसदी अतिरिक्त टैक्स लगाने का सुझाव दिया है। इस पैसे का इस्तेमाल सोशल सिक्योरिटी बेनेफिट्स शुरू करने के लिए किया जा सकता है। बेहतर हो कि प्रवासी मजदूरों के लिए एक अलग वेलफेयर बोर्ड बनाया जाए। साथ ही 'वन राशन वन नेशन' स्कीम के तहत कंस्ट्रक्शन से जुड़े मजदूरों का भी राशन कार्ड बनाने की मांग की गई है। देश में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाएं महंगी होती जा रही हैं। बजट 2025 में इसको लेकर राहत की उम्मीद है। देखें और जांचें तो भारत का स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र रोजगार और राजस्व के मामले में सबसे बड़े क्षेत्रों में से एक है। सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं पर लगने वाले इनपुट जीएसटी को कम करना चाहिए। इसके साथ ही, बीमा कंपनियों की क्लेम प्रक्रिया में सुधार की आवश्यकता है। विदित हो कि सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के बजट में वृद्धि और निजी क्षेत्र को सहयोग देने से लोगों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जा सकता है। खास तौर पर उन इलाकों में बुनियादी ढांचे को सुधारने की जरूरत है जहां स्वास्थ्य सेवाएं अभी तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाई हैं। बजट 2025 भारत की शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने और इसे विश्व स्तरीय बनाने के लिए एक सुनहरा अवसर है। डिजिटल शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण और कौशल विकास पर जोर देकर सरकार युवाओं को एक मजबूत और कुशल कार्यबल में बदल सकती है। यह न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाएगा, बल्कि भारत की आर्थिक वृद्धि में भी योगदान देगा। 2025-26 के लिए पेश होने वाले सालाना आम बजट में देश के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों और जुड़े कर्मचारियों की भी उम्मीदें बंधी हैं। हालांकि, सरकार ने शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के लिए पिछले सालों में लगातार बजट बढ़ाया है। 2024 में इस क्षेत्र को 1.48 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए, जिसमें से सबसे अधिक 73498 करोड़ रुपए स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग को दिए गए। इसके बावजूद, बजट में शिक्षा क्षेत्र को जीडीपी का केवल 4 फीसदी रकम ही आवंटित की जाती है, जबकि अमेरिका, कनाडा, जापान और जर्मनी जैसे विकसित देश 4.8 से 5.5 फीसदी तक खर्च करते हैं। इसमें वृद्धि वांछित है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा और उच्च शिक्षा के लिए बजट आवंटन में वृद्धि हुई है। हालांकि, उभरते हुए रोजगार क्षेत्र और डिजिटल युग की मांगों को पूरा करने के लिए आवंटन को और बढ़ाने की आवश्यकता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रावधान न केवल व्यक्तिगत स्तर पर, बल्कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि के लिए भी आवश्यक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बजट 2025 को एनईपी 2020 के लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में 50 प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) प्राप्त करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के लिए निवेश बढ़ाना जरूरी है।

मेष:- कुछ आर्थिक प्रगति के लिए मन में नई-नई युक्तियां उत्पन्न होंगी। कुछ नई सफलताएं सुखों का आगाज करेंगी। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। शिक्षा में किया गया परिश्रम तीव्र होगा।
बृषभ:- नैतिक-अनैतिक आदि के बारे में सोचने वाला मन भौतिक परिवेश के साथ तालमेल बिठाने में असमर्थ होगा। नाजुक संबंधों में भावनात्मक तालमेल बिठाने का प्रयत्न करें। आलस्य कतई न करें।
मिथुन:- दूसरों की सफलता से अपने अंदर हीनता न आने दें। नौकरी का वातावरण थोड़ा अरुचिकर होगा तथा स्थान परिवर्तन का योग है। पारिवारिक संबंधों में कटुता जैसी स्थिति उत्पन्न न होने दें।
कर्क:- रोजगार में कुछ आकस्मिक सफलता का योग है। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति में व्यय संभव। अपनी क्षमताओं व गुणवत्ता पर भरोसा रखें क्योंकि आगे बहुत सारी सफलताएं मिलेंगी।
सिंह:- रोजगार क्षेत्र में नये अवसर उत्साह का संचार करेंगे। आवेश में लिये गये निर्णय से हानि संभव। असीम प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन मन प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। घर में खुशहाली रहेगी।
कन्या:- आपकी सारी समस्याएं खुद ब खुद सुलझ जाएंगी। आप धैर्य से समय का इंतजार करें। दूसरों की आलोचना का असर अपने मनोबल पर न पड़ने दें। ग्रहों की अनुकूलता अच्छे अवसर प्रदान करेगी।
तुला:- कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां संभव। जीविका क्षेत्र में नये आयाम उत्साहित करेंगे। कल्पनाओं में जीना छोड़ वर्तमान में जियें।
वृश्चिक:- बीती बातों को भूल वर्तमान में जीने का प्रयास करें। नये कार्यों के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कल्पनाएं सार्थकता हेतु उद्वेलित करेंगी।
धनु:- दूसरों की बात इधर से उधर करना आपका शोभा नहीं देता है। किसी सहकर्मी के खराब व्यवहार से कष्ट संभव। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।
मकर:- प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। कार्यक्षेत्र में अपनी क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाएंगे। किसी विपरीतलिंगी संबंध के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। रोजगार में समस्याएं आएंगी।
कुंभ:- राजनीतिक सरगर्मियों से व्यस्तता बढ़ेंगी। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुर बनेंगे। रोजगार की समस्याओं को लेकर मन चिंतित होगा।
मीन:- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

अमेरिकी राष्ट्रपति से यूरोपीय संघ को सबसे ज्यादा नुकसान

नित्य चक्रवर्ती

डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने और पदभार ग्रहण करने के पहले दिन उनकी नीतिगत घोषणाओं के एक सप्ताह के अन्दर उनका असर हर देश पर अलग-अलग पड़ा है, लेकिन यूरोपीय संघ के देशों, खासकर जर्मनी और फ्रांस में यह सबसे ज्यादा दहशत का विषय है। गत 23 जनवरी को यह प्रक्रिया और भी तेज हो गई, जब ट्रम्प ने डावोस में विश्व आर्थिक मंच के साथ बातचीत के दौरान अपनी नीतियों के बारे में विस्तार से बताया। यूरोपीय वर्चस्व वाले वर्ल्ड इकानामिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) के सदस्य, जिन्होंने 20 जनवरी को अपना पांच दिवसीय वार्षिक सत्र शुरू किया था, 23 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ वीडियो सत्र का इंतजार कर रहे थे, क्योंकि सीईओ को अपने स्पष्टीकरणों पर अमेरिकी राष्ट्रपति से सीधे जवाब पाने का अवसर की उम्मीद थी। उन्हें वह अवसर मिल गया और बड़बड़ाहट के बीच, यूरोपीय सीईओ का मूड निराशा और मोहभंग का था। यूरोप पहले से ही अपने निराशाजनक आर्थिक दौर का सामना कर रहा है और ऐसा लगता है कि यह प्रक्रिया लंबी चलेगी। उन्होंने नाटो देशों से रक्षा खर्च को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 5 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए अपना आह्वान दोहराया। जब तक कि उन्होंने चुनौती नहीं दी थी, तब तक कई राष्ट्रों ने उनके पहले कार्यकाल के दौरान 2प्रतिशत जीडीपी लक्ष्य को भी पूरा नहीं किया था। ट्रम्प ने कहा यह केवल 2प्रतिशत पर था और अधिकांश देशों ने मेरे आने तक भुगतान नहीं किया। मैंने जोर दिया कि वे भुगतान करें, और उन्होंने किया, क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका वास्तव में उस समय अंतर का भुगतान कर रहा था। उन्होंने घोषणा की कि अमेरिका श्अन्य देशों से सम्मान की मांग करना शुरू करेगा, और उसके साथ ही उन्होंने केनेडा और यूरोपीय संघ का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि केनेडा अमेरिका का एक राज्य बन सकता है, जो केनेडा के साथ अमेरिका के व्यापार घाटे को खत्म करने का एक तरीका है। हमें उनकी कारों की जरूरत नहीं है और हमें उनकी लकड़ी की भी जरूरत नहीं है।श् यूरोपीय संघ के बारे में उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि ब्लॉक द्वारा अमेरिका के साथ बहुत, बहुत अनुचित व्यवहार किया गया है। श्वे हमारे कृषि उत्पाद नहीं लेते हैं और वे हमारी कारें नहीं लेते हैं। फिर भी वे हमें लाखों की संख्या में कारें भेजते हैं, उन्होंने कहा। उन्होंने सऊदी अरब और तेल उत्पादक कार्टेलओपेक से तेल की कीमतों में कटौती करने का आग्रह किया, और दावा किया कि इससे यूक्रेन में युद्ध समाप्त हो जायेगा। उन्होंने कहा, उन्हें यह बहुत पहले ही कर देना चाहिए था। वास्तव में, कुछ हद तक, जो कुछ हो रहा है, उसके लिए वे बहुत जिम्मेदार हैं।श् ट्रम्प के भाषण के बाद तेल की कीमतों में गिरावट आई। उन्होंने कहा कि अमेरिका को अपने ऊर्जा उत्पादन को दोगुना करने की जरूरत है, आंशिक रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता को बढ़ावा देने के लिए। ट्रम्प ने कहा कि वे नये बिजली संयंत्रों के लिए मंजूरी को तेज करेंगे, जिन्हें कंपनियां अपने संयंत्रों के बगल में लगा सकती हैं- ऐसा कुछ जो वर्तमान में नियमों के तहत संभव नहीं है। चिंताजनक रूप से, उन्होंने घोषणा की कि कंपनियां अपनी इच्छानुसार किसी भी चीज से इसे ईंधन दे सकेंगी, और बैकअप के रूप में कोयला, श्अच्छा, स्वच्छ कोयला्य रख सकेंगी। ट्रम्प की व्हाइट हाउस में वापसी ने पूरे यूरोप में आत्ममंथन की लहर पैदा कर दी है। उनके अमेरिका फर्स्ट सिद्धांत और यूरोपीय संघ के सामान पर टैरिफ की धमकी ने यूरोप के अभिजात वर्ग को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि वे अमेरिका के साथ बढ़ती आर्थिक खाई को कैसे पाट सकते हैं- और अतिरिक्त सैन्य व्यय के लिए आवश्यक अरबों का प्रबंध कैसे कर सकते हैं। डब्ल्यूईएफ पर यूरोपीय सीईओ का प्रभुत्व है। उनके अमेरिकी कंपनियों के साथ अच्छे संबंध हैं। उनमें से कई के पास यूरोपीय देशों में उत्पादन सुविधाएं हैं, जिससे नौकरियों का सृजन होता है और जीडीपी वृद्धि बढ़ती है। अब ट्रम्प ने डावोस बैठक में घोषणा की कि अमेरिकी कंपनियों से भी यूरोप में उनके उत्पादित सामान के अमेरिका को निर्यात के लिए शुल्क लिया जायेगा। उन्हें अमेरिका लौटने और अपने देश में सुविधाएं स्थापित करने के लिए कहा गया है। अगर ट्रम्प के इस उपाय को अंततरू यूरोप में गति मिलती है तो इसका मतलब यूरोपीय संघ के सदस्यों की पहले से ही अपंग अर्थव्यवस्थाओं को और अधिक झटका लगेगा। यूरोपीय आयोग के पास पहले से ही यूरोपीय सेंट्रल बैंक के पूर्व अध्यक्ष मारियोड्रेगी द्वारा तैयार की गयी एक रिपोर्ट है, जिसमें कहा गया है कि यूरोप में उत्पादकता बहुत कमजोर है और गहन एकीकरण तथा समन्वित निवेश की तत्काल आवश्यकता है। 2025 के लिए संकेत पहले से ही चिंताजनक थे, लेकिन अब ट्रम्प की नीति घोषणाओं ने उभरते परिदृश्य को और खराब कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 2025 में यूरो क्षेत्र में एक प्रतिशत के मुकाबले अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए 2.7 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। जर्मनी की जीडीपी पिछले दो वर्षों से सिकुड़ रही है। स्थिति अनिश्चित है क्योंकि राष्ट्रीय चुनाव 23 फरवरी को होने वाले हैं। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि एक स्थिर गठबंधन बनेगा। डावोस में अनगिनत बातचीत में, व्यापारिक नेताओं और राजनेताओं ने यूरोपीय संघ के सामने आने वाली समस्याओं को उजागर कियारू फ्रांस और जर्मनी की मुख्य अर्थ व्यवस्थाओं में ठहराव और अमेरिकी तकनीकी दिग्गजों से प्रतिस्पर्धा करने में विफलता से लेकर लोक लुभावनवाद का उदय और यूक्रेन युद्ध तक। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुलावॉनडेरलेयेन ने फोरम में कहा कि श्पिछले 25 वर्षों में यूरोप ने अपने विकास को आगे बढ़ाने के लिए वैश्विक व्यापार के बढ़ते ज्वार पर भरोसा किया है।

महान संघर्षी योद्धा लाला लाजपतराय की मनाई गई जयन्ती

हमीरपुर। सुमेरपुर आजादी के संघर्ष मे देशभक्तों के माहात्म्य के मद्देनजर वर्णिता संस्था के तत्वावधान मे विमर्श विविधा के अन्तर्गत जिनका देश ऋणी है के तहत स्वाधीनता आंदोलन का जक महान संघर्षी योद्धा लाला लाजपतराय की जयन्ती 28 जनवरी पर सुमनान्जलि अर्पित करते हुये कहा कि लाजपतराय वास्तव मे एक सच्चे देशभक्त थे,इनके योगदान को भुलाया नही जा सकता हे,इनका 28 जनवरी 1865 को पंजाब के मोगा जिले के ढेडुकी गाव मे राधाकृष्ण अग्रवाल और गुलाब देवी के घर जन्म हुआ था, ये प्रारंभ से देशसेवी सोच के सूरमा थे,आजादी के लिये इनकी पहल प्रभावी रही,1928 भारत मे साइमन कमीशन आया, जिसका लाला जी ने प्रबल विरोध किया, गोरी सरकार ने इन पर लाठियों से प्रहार कराया, जिससे 17 नवम्बर 1928 को इनका निधन हो गया,सारा देश दुखी एवं आक्रोशित हो उठा, भगतसिंह और उनके मित्रो ने सान्डर्स को मार कर अपने राष्ट्रीय नेता की मौत का बदला लिया, भगतसिंह राजगुरु और सुखदेव को इस केस को लेकर फासी लटका दिया, कार्यक्रम मे अशोक अवस्थी, सिद्धा, महावीर, प्रेम,प्रिन्स, पंकजसिह, भोलूसिह, रिचा, अजय और दस्सी आदि शामिल रहे।

काशीपुर में लोकतंत्र की हार हुई और बाहुबल जीत गया : संदीप सहगल

काशीपुर। कांग्रेस मेयर प्रत्याशी रहे संदीप सहगल ने कहा है कि काशीपुर में लोकतंत्र की हार हुई और बाहुबल जीत गया। कहा कि काशीपुर की जनता ने बदलाव के लिए मतदान किया, पर मतपेटियों में गड़बड़ी कर चुनाव परिणाम को प्रभावित किया। संदीप ने भाजपा नेताओं पर चुनाव जीतने के बाद बदले की भावना से काम न करने की बात कही है। आज संदीप सहगल अपने कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उनका कहना था कि इस चुनाव में पुलिस प्रशासन की भूमिका शुरू से ही एक पक्षीय रही है। गड़बड़ी की आशंका के चलते वह और उनके समर्थक सजग थे। इसी आशंका के चलते वह मतपेटियों के साथ-साथ मतगणना स्थल पर गए थे, लेकिन पुलिस प्रशासन ने

उन्हें छह घंटे तक मतगणना स्थल के अंदर नहीं जाने दिया। इस दौरान वहां कुमांऊ भर के उच्च प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान मतपेटियों के साथ क्या किया गया, इसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं है। बार-बार अनुरोध के बाद उन्हें छह घंटे बाद स्ट्रांग रूम चेक करने के लिए बुलाया गया। मतपेटियों से पांच हजार से अधिक ब्लेंक बैलेट पेपर निकलना और करीब पांच हजार मत निरस्त होना किसी बड़ी गड़बड़ी को इंगित कर रहा है। उन्होंने कहा कि मतगणना के दौरान पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की गई। उनके साथ अभद्रता की गई, लेकिन कुंडा थाना पुलिस ने उनकी तहरीर तक नहीं ली। इसके बाद भी भाजपा प्रत्याशी के समर्थक उनके कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट कर रहे हैं। कहा कि अगर ऐसा होना जारी रहा तो वह कानून के दायरे में इसका विरोध करेंगे। उन्होंने नवनिर्वाचित मेयर से अपील की है कि अपने समर्थकों को ऐसा करने से रोकें। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हर समय साथ रहने का भरोसा भी दिलाया।

कई कांग्रेसी कार्यकर्ता 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित

काशीपुर। नगर निगम चुनाव संपन्न होने के उपरान्त एक समीक्षा बैठक का आयोजन कांग्रेस मेयर प्रत्याशी संदीप सहगल के चुनाव कार्यालय पर किया गया, जिसमें सभी वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ ही महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, ब्लाक कांग्रेस के चारों अध्यक्ष व समस्त कांग्रेस प्रकोष्ठों के पदा?धिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सबने इस विस्तृत चर्चा में एक मत होकर कहा कि इस बार पहली बार कांग्रेस को हर जाति, धर्म और वर्ग का भरपूर समर्थन तथा वोट मिला और हमने बहुत अच्छा चुनाव लड़ा। सभी कांग्रेस कार्यकताओं ने एकमत होकर यह प्रस्ताव पास किया कि जिन कार्यकर्ताओं ने मेयर प्रत्याशी व पार्षद प्रत्याशी के खिलाफ (विरोध) कार्य किया है उनको तत्काल प्रभाव से 6 बर्षों के लिये कांग्रेस पार्टी से निष्कासित किया जाना चाहिये। इस समीक्षा बैठक व प्रस्ताव की सूचना उत्तराखण्ड प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा को दी गई और उनसे संस्तुति प्राप्त होने पर श्रीमति मुक्ता सिंह, प्रभात साहनी, माजिद हुसैन, शशांक सिंह, इदरीस अंसारी,डा. अशफाक,शहजाद अंसारी, तौकीर अंसारी,जफर मुन्ना, वसीम अकरम,अनुराग सिंह, श्रीमति गीता चौहान,आनन्द कुमार व सद्दाम हुसैन आदि चौदह कार्यकर्ताओं को छह वर्षों के लिये पार्टी से निष्कासित कर दिया गया।

उत्तराखड में लागू यूसीसी संविधान में निहित धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन : अली अनवर

काशीपुर। जमीयत उलेमा-ए-हिंद, उधम सिंह नगर के महासचिव अली अनवर एडवोकेट ने उत्तराखड में लागू समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को संविधान में निहित धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन बताते हुए इसे न्याय और लोकतंत्र के विरुद्ध करार दिया है। अली अनवर ने कहा कि मुस्लिम अल्पसंख्यकों और अन्य संबंधित पक्षों की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए इस कानून का क्रियान्वयन न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि यह देश की एकता और अखडता के लिए भी हानिकारक है ।समान नागरिक संहिता के नाम पर भेदभाव क्यों उत्तराखड में समान नागरिक संहिता का लागू होना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25, 26 और 29 के विपरीत है, जो नागरिकों के मौलिक अधिकारों को मान्यता देते हुए धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देते हैं। समान नागरिक संहिता लागू करना नागरिकों की धार्मिक स्वतंत्रता को खत्म करने की एक सोची-समझी साजिश है। अगर अनुसूचित जनजातियों को संविधान द्वारा स्वीकृत कानूनों से छूट दी जा सकती है, तो मुसलमानों को क्यों नहीं जमीयत उलमा-ए-हिंद इसके खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखाटाएगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष अरशद मदनी साहब ने कहा कि भारत के विधि आयोग ने पहले ही जनता के सुझावों के आधार पर सरकार को सलाह दी थी कि समान नागरिक संहिता न तो वांछनीय है और न ही आवश्यक। इसके बावजूद सरकार ने इस सिफारिश को अनदेखा कर एकतरफा तरीके से यह कानून लागू कर दिया, जो लोकतंत्र की हत्या के समान है। अली अनवर एडवोकेट ने कहा, 'हमने बार-बार सरकार के सामने यह स्पष्ट किया है कि भारत का संविधान हर नागरिक को अपने धार्मिक पर्सनल लॉ के अनुसार जीवन जीने का अधिकार देता है। हमारे देश के निर्माताओं ने पर्सनल लॉ की रक्षा करने का वादा किया था। यदि सरकार इस वादे को तोड़ती है, तो हम कानून और संविधान के दायरे में रहकर हर स्तर पर इसका विरोध करेंगे उधम सिंह नगर के महासचिव अली अनवर ने कहा कि हमारा देश अनेकता में एकता का उदाहरण है। इस एकता को कमजोर करने वाला कोई भी कानून देश के भविष्य के लिए घातक सिद्ध होगा। मुसलमान इस्लामी शरिया के सिद्धांतों पर पूरी दृढ़ता के साथ कायम रहेंगे और इसके विरोध में आने वाले किसी भी कानून की परवाह नहीं करेंगे।'अली अनवर ने अंत में कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद का यह संघर्ष संविधान और न्याय की रक्षा के लिए है, और इस दिशा में हर संभव कदम उठाया जाएगा।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित

हरिद्वार। जिला मुख्यालय रोशनाबाद स्थित विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में छह विकासखंडों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कैटेगरी %ए% के आवासों को 1० फरवरी 2०25 तक पूर्ण करने,मनरेगा के मानव दिवस सृजन को शत-प्रतिशत लक्ष्य तक पहुंचाने और कृषि व उद्यान विभाग की प्रगति को सुधारने के निर्देश दिए गए। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और ग्रामोत्थान परियोजना पर सीडीओ ने जोर देकर इन्हें ग्रामीण रोजगार व महिला सशक्तिकरण के लिए अहम बताया। आधार सीडिंग और जियो टैगिंग के कार्यों की सराहना की गई। सीडीओ ने सभी योजनाओं को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने पर जोर दिया और लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।

मातृ शक्ति का होगा सम्मान और विकास की ओर अग्रसर होगा काशीपुर : उर्वशी

काशीपुर। नवनिर्वाचित मेयर दीपक बाली की धर्मपत्नी उर्वशी दत्त वाली ने चुनाव कार्यालय पर पहुंची सैकड़ो महिलाओं का सम्मान करते हुए आश्वस्त किया कि उन्होंने पुरुषों के साथ-साथ काशीपुर के विकास के सपने को साकार करने के लिए जिस आशा और विश्वास के साथ उनके पति को वोट देकर उनमें आस्था जताई है उनकी इस आस्था को हर हाल में पूरा किया जाएगा और काशीपुर का विकास अपने मुंह से बोलेगा। उर्वशी बाली ने कहा कि जिन माता बहनों को कोई भी परेशानी हो उसके समाधान के लिए वह अपने पति के साथ-साथ खुद भी तैयार रहेंगी और माता बहनों के बीच रहकर उनसे लगातार उनकी समस्याओं को सुनकर उनका समाधान करेंगी। बहन बेटियों की सुरक्षा भय मुक्त वातावरण तथा सुंदर और स्वस्थ काशीपुर बनाना उनकी जिम्मेदारी है। सम्मानित मतदाताओं को शीघ्र ही शहर के विकास में बदलाव दिखाई देगा। कार्यक्रम में सभी सम्मानित महिलाओं और पार्षद चुनी हुई बहनों का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में श्रीमती मंजू यादव, राज दीपिका मधुर, रीति नगर, प्रियंका अग्रवाल, रानी चौधरी, किरण राव, आशु, ममता बिष्ट, चित्रचौहान, रजनी ठाकुर, निशा चौहान, निशा सैयद, रेखा सक्सेना, उषा शर्मा , मंजू यादव, कल्पना राणा ,बीना पार्षद, अंजना देवी, सीमा टंडन, श्रीमती संतोष, रेखा रावत ,अनीता कंबोज, रितु चौहान, राबिया बेगम, विमल आर्य , बीना शर्मा, रीना जानकी, राधा चौहान, अनीता भट्ट, सहित सैकड़ो महिला शामिल थीं जिनका फूल मालाओ से सम्मान कर उनका आभार व्यक्त किया गया और उनकी हर समस्या के समाधान की बात कही गई। बाद में पार्टी कार्यालय पहुंचे नवनिर्वाचित मेयर दीपक बाली ने भी मातृ शक्ति का सम्मान करते हुए उनका आभार जताया और शहर के विकास का वायदा दोहराया।

86 एकड़ जमीन को नगर निगम ने कराया कब्जा मुक्त

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में अवैध रूप से नगर निगम की जमीन पर कब्जा करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी नगर निगम ने कर ली है। महापौर सुषमा ने अधिकारियों के साथ बैठक कर अवैध रूप से सरकारी जमीन पर कब्जा करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया है। महापौर सुषमा खारवाल ने बताया कि ग्रामसभा में गाटा वार संपत्ति रजिस्टर तैयार किया जा रहा है। इसमें किसी जमीन पर कितना कब्जा है, किसने कब्जा किया है। यह रिपोर्ट भी बनाई जा रही है। नगर निगम की तरफ से 25 गांव का सर्वे पूरा कर लिया गया है। इसमें कल्ली पश्चिम, सरोसा भरोसा, सदरौना, मल्हपुर,बिजनौर सलेमपुर, पतौरा, बेहटवा, सेमरा, उत्तर धौना, नटकुर, फर्रुखाबाद, बरिहरपुर सहित अन्य गांव हैं। इन गांवों में अवैध रूप से कब्जा करने वाले लोगों का डाटा नगर निगम ने इक्कठा कर लिया है। अब इनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वहीं, नगर निगम की तरफसे यह सर्वे 1०० से अधिक गांवों में किया जा रहा है। नगर निगम की तरफ से पिछले 1० महीने में कार्रवाई करते हुए 86 एकड़ जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराई गई है। इस दौरान 25 लोगों के खिलाफमुकदमा भी दर्ज कराया गया है। इस दौरान वरदान लान, सीजन होटल सहित अन्य के द्वारा अवैध तरीके से कब्जा किया गया है। वही शिकायतों का तत्काल निस्तारण करने को कहा गया है। महापौर सुषमा खारवाल ने कहा कि नगर निगम की जमीनों पर तार बाड़ करने को कहा गया है। अप्रैल में नई निधि में तार बाड़ के लिए अलग बजट रहेगा।

एसएसपी ने सुनी फरियादियों की फरियाद

काशीपुर। पीड़ितों के मसीहा कहलाने वाले जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने अभी निकाय चुनाव की थकान भी नहीं उतरी थी कि प्रत्येक मंगलवार को पीड़ितों की फरियाद सुनने के लिए मुरादाबाद रोड स्थित डिजाइन सेंटर में अपर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पीड़ितों की फरियाद सुनी और उसका निस्तारण तुरंत किया। जिनका निस्तारण नहीं हो पाया उनके निस्तारण को लेकर अपने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह उनकी समस्याओं का एक सप्ताह के अंदर निस्तारण करें। इसी के साथ ही जसपुर, काशीपुर, सुल्तानपुर पट्टी, बाजपुर के फरियादी यहां पर अपनी फरियाद लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के समक्ष पहुंचे और अपनी अपनी फरियादें उनके सामने रखी। जिसको वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने गंभीरता से लेते हुए उसका निस्तारण किया। जिले के कप्तान की कार्य प्रणाली से पीड़ितों में खुशी की लहर है। पीड़ितों का कहना है की ऐसे अधिकारी जो पीड़ितों की फरियाद सुनकर उसका निस्तारण करते हैं वह भगवान स्वरूप है, उनकी जितनी तारीफ की जाए वह कम है चारों और उनकी इस कार्य प्रणाली से लोग भूरी भूरी प्रशंसा करते नहीं थक रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अधीक्षक ने मीडिया से वार्ता करते हुए कहा कि पीड़ितों की फरियाद सुनने का प्रत्येक मंगलवार को समय तय किया गया है और उनके समक्ष जो भी फरियादी फरियाद लेकर आता है उसका निस्तारण किया जाता है। उन्होंने अपने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह किसी भी फरियादी की फरियाद को अनसुना न करें। जीतनी जल्दी हो सके उसका निस्तारण करें। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा सुबह 1०ः3० बजे अपर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पहुंचकर लोगों की फरियाद गंभीरता से सुनते हैं और उसका निस्तारण भी तुरंत करते हैं। मौके पर सभी थाना चौकियों के प्रभारी मौजूद रहे।

काशीपुर का राजकीय चिकित्सालय फिजिशियन की कमी को लेकर मुंह चिढ़ा रहा है

काशीपुर। काशीपुर राजकीय चिकित्सालय में फिजिशियन का एक दशक से रिक्त पड़ा पद मुंह चिढ़ा रहा है। काशीपुर के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र के मरीजों को रेफर करना मजबूरी बना हुआ है। राजकीय उप जिला चिकित्सालय में तैनात फिजिशियन डॉ- गीता रावत का एक दशक पूर्व निधन हो चुका है। इसके बाद से यहां फिजिशियन के तीनों पद खाली चल रहे हैं। अस्पताल में जसपुर के आसपास के जगहो के अलावा ठाकुरद्वारा, अलीगंज, बिजनौर और रामनगर से भी मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। फिजिशियन नहीं होने के कारण अधिकतर मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया जाता है। ये मरीज निजी अस्पतालों में इलाज कराने के लिए मजबूर हैं, जो कि उनकी जेब पर भारी पड़ रहा है। कुछ मरीज रुद्रपुर और हल्द्वानी के चक्कर लगाते हैं। उधर, सीएमओ डॉ- मनोज शर्मा ने बताया कि रिक्त पदों की सूचना मुख्यालय भेजी जा रही है। निकाय चुनाव संपन्न हो गए है। अब यू कोट वी पे योजना शुरू कराने का प्रयास किया जाएगा। इसके बाद ही चिकित्सकों की नियुक्ति हो सकती है।

महाकुंभ में लगी स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनी

झलक रहा है ग्रामीण महिलाओं का हुनर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में महाकुंभ में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनी,स्टाल लगाए गए हैं। महाकुंभ में स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई है। महाकुंभ में आये लोगों को समूहों द्वारा बनायी गयी सामग्री पसन्द आ रही हैं। प्रदर्शनी में ग्रामीण महिलाओं का हुनर झलक रहा है। प्रदेश में ग्रामीण विकास व रोजगार के नये अवसर सृजित हुए हैं।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों द्वारा निर्मित उत्पादों प्रदर्शनी एवं बिकी हेतु स्टॉल आजीविका मिशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार महाकुंभ-2०25 के सेक्टर ०1 में आवंटित पण्डाल में लगाये गये है जिसमें प्रदेश के सभी जनपदों से आये समूह सदस्यों द्वारा अपने उत्पाद की प्रदर्शिनी लगायी गयी, जिसमें जनपद चित्रकूट से लकड़ी के खिलौने, भदोही से कालीन ,कार्पेट, अमेठी से ज्वैलरी, सुल्तानपुर से मुरब्बा, बिजनौर से हर्बल टी, फिरोजाबाद से कांच के बर्तन, गौतमबुद्ध नगर से खादी के वस्त्र, गोण्डा से आचार मुरब्बा, सोनभद्र से बकरी के दूध से बना साबुन, देवरिया से मूंज उत्पाद, फतेहपुर से हैण्डबैग, एटा से ज्वैलरी, बाराबंकी से चिकनकारी वर्क, बुलंदशहर से सैनटरी पैड, वाराणसी से धूप अगरबत्ती, आजमगढ़ से मिट्टी के बर्तन, प्रयागराज से आचार मुरब्बा, श्रीअन्न के बिस्किट, आइसक्रीम, जूटबैग आदि की प्रदर्शिनी लगायी गयी। मेले में आये लोगों को समूह सदस्यों के उत्पाद पसंद आ रहे है जिसे लोग जरूरत एवं रूचि के अनुरूप खरीद रहे हैं।

एलडीए के जोनल अधिकारी को कारण बताओ नोटिस

लखनऊ। लाल बाग स्थित स्मार्ट सिटी कार्यालय में नागरिक सुविधा दिवस का आयोजन किया गया। इसमें मंडलायुक्त डॉक्टर रोशन जैकब ने लोगों की समस्याओं को सुना है। नजरबाग और फूल बाग में मकान नंबर 1०5/254 और 22 में बिना नक्शा पास करे अवैध निर्माण करने पर सितंबर 2०24 में सीलिंग का निर्देश दिया था। बावजूद इसके बिल्डर जीशान अली ने सीलिंग खुलवाकर दोबारा से बिजली कनेक्शन ले लिया। इसकी शिकायत पर मंडला आयुक्त ने एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार को तत्काल बिल्डिंग सील करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही लड़ा के जोनल अधिकारी शशि भूषण पाठक को कारण बताओ नोटिस जारी करने को कहा। पहाड़पुर चौराहा गांव सिकंदरपुर इनायत से पहुंचे लोगों ने बताया कि खसरा नंबर 269 में कब्रिस्तान दर्ज है। कब्रिस्तान की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। इस दौरान लोगों ने कार्रवाई की मांग की। इस पर मंडल आयुक्त ने तत्काल कब्रिस्तान का सीमांकन करने का निर्देश दिया और अवैध निर्माण मिलने की स्थिति में उसके ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करने को कहा है। ठाकुरगंज से पहुंचे फर्नीचर दुकानदार ने कहा कि उनकी दुकान के ठीक बगल में नाला है। नाले और शोरूम के बीच की सरकारी जमीन पर किसी ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है, जिसकी वजह से मेरे शोरूम पर इमर्जेंसी एग्जिट जो आग लगने जैसी आपदा के लिए बेहद जरूरी है पूरी तरह से बंद हो गया हैइस दौरान उन्होंने कार्रवाई की मांग की है। मंडला आयुक्त डॉ रोशन जैकब ने कहा कि हर महीने के अंतिम मंगलवार को नागरिक सुविधा दिवस का आयोजन स्मार्ट सिटी के कार्यालय में किया जाएगा। इस दौरान कुल 47 प्रार्थना पत्र मिले। इसमें से 9 का महके पर निस्तारण किया गया। लखनऊ विकास प्राधिकरण से 25, नगर निगम-2०, सदर तहसील 1, और खाद्य विभाग विभाग की एक शिकायत आई।

मासूम बच्ची संग रेप की कोशिश करने वाले हैवान को मुठभेड़ के बाद पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गाजीपुर क्षेत्र में पुलिस ने मासूम के साथ दुराचार का प्रयास करने वाले हैवान को एक सशस्त्र मुठभेड़ में घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि क्षेत्र में एक महिला ने बीती देर रात पुलिस को सूचित किया था कि उसकी करीब साढ़े तीन साल की पुत्री को पति का दोस्त कुंदन कश्यप बहला फुसला कर ले गया था और गलत काम करने की कोशिश की। पुलिस ने मामला दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुये रात करीब दो बजे बंधा रोड पर आरोपी को ललकारा जिस पर उसने पुलिस दल पर फायर करते हुये भागने का प्रयास किया। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर पर गोली लगी और उसके धर दबोचा गया।

दो युवकों ने पिता और उसके पुत्र को मारपीट कर किया घायल

काशीपुर। एक व्यक्ति ने दो युवको पर रंजिशन उसे व उसके पुत्र को मारपीट कर घायल करने व कार में तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मानपुर रोड, कचनालगाजी निवासी मनोहर लाल पुत्र स्व-रामप्रकाश ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि संजय कॉलोनी, बाजपुर निवासी विजयदीप डोंडियाल पुत्र स्व- चंद्रबल्लभ डोंडियाल उसके पुत्र नितिन अरोरा से रंजिश व दुश्मनी रखता है और उसे को देख लेने कि धमकी देता रहता है। कहा कि कई बार विजयदीप और अजयदीप डोंडियाल ने उसके बेटे को उकसाने कि नियत से उलटे सीधे मेसेजेस भेजे परंतु उसने अपने पुत्र को समझा कर शांत करा दिया। आरोप लगाया कि कुछ दिन पूर्व विजयदीप और अजयदीप इन दोनों ने उसके पुत्र को रास्ते में रोका और गाली गलौच की और कार कि चाबी भी छीन ली थी। कहा कि 11 दिसंबर 2०24 की सुबह विजयदीप और अजयदीप डोंडियाल उसके पुत्र को मेसेज कर कहा कि आज तेरी बीवी के स्कूल में कांड होगा देखता जा और शाम को तेरे घर पर बवाल होगा। कहा कि इसके बाद दोनों ने उसके घर के बाहर हल्ला किया। जब वह बाहर आया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट कर उसके पुत्र की कार में तोड़फोड़ कर दी। इस दौरान उसकी पुत्रवधु ने जब पुत्र व 112 पर कॉल की तो उसका पुत्र भी मौके पर आ गया। इस दौरान दोनों ने उसके पुत्र के साथ भी मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गये। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय टांडा भागमल में धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस

हरिद्वार। राजकीय प्राथमिक विद्यालय टांडा भागमल में (74 वें गणतंत्र दिवस) का उत्सव बड़े ही उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाध्यापक नीलम देवी व अध्यापक,कर्मचारी, छात्र-छात्राएं और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका नीलम देवी ने ध्वजारोहण कर देश की एकता और अखंडता बनाए रखने और प्रभात फेरी निकाल कर देशभक्ति का संदेश दिया। विद्यालय प्रांगण में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई ,जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गणतंत्र दिवस के इस अवसर को और भी विशेष बनाते हुए प्रधानाध्यापिका नीलम देवी ने बताया की विद्यालय और सेठपाल के बीच विगत कई वर्षों से चल रहे विद्यालय की भूमि

विवाद का न्यायालय में विचाराधीन मामला अब सुलझ गया है। उन्होंने बताया की सेठपाल ने अपनी स्वेच्छा से और बिना किसी दबाव के इस विवाद को समाप्त करते हुए समान भूमि का अधिकार विद्यालय को सौंप दिया। इस सकारात्मक पहल के लिए सेठपाल का विद्यालय परिवार, ग्रामीणों और अभिभावकों द्वारा फूल-मालाओं से अभिनंदन और धन्यवाद किया गया। प्रधानाध्यापिका नीलम देवी ने इसे विद्यालय के विकास और छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। गणतंत्र दिवस के अवसर को यादगार बना दिया।

लाला लाजपत राय की जयंती पर योगी ने अर्पित की श्रद्धांजलि

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को महान स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ उनका जनजागरण अभियान अविस्मरणीय है। योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, ऋमहान स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय ने अपने उत्कृष्ट राष्ट्रवादी विचारों से आजादी के आंदोलन को नयी दिशा प्रदान की थी। ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ उनका जनजागरण अभियान अविस्मरणीय है। सीएम योगी ने कहा, पंजाब केसरी लाला लाजपत राय की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि !ऋ लाला लाजपत राय का जन्म 28 जनवरी 1865 को अविभाजित भारत के पंजाब प्रांत में हुआ था। भारत के प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राय को 'पंजाब केसरी' भी कहा जाता है। वर्ष 1928 में साइमन कमीशन के विरोध में हिस्सा लेने के दौरान लाठीचार्ज में घायल होने के बाद 17 नवंबर 1928 को उनका निधन हो गया था।

फर्जी बैनामा प्रकरण को लेकर मोस्ट ने जिला प्रशासन को दी चेतावनी

➲ टांटिया नगर निवासी लाल बहादुर निषाद की संपूर्ण भूमि को फर्जी तरीके से भूमाफियाओं ने करा ली है रजिस्ट्री

सुलतानपुर। फर्जी बैनामा प्रकरण को लेकर मोस्ट कल्याण संस्थान के तत्वाधान में मोस्ट प्रदेश प्रमुख जीशान अहमद के नेतृत्व में जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा गया ! दिए गये ज्ञापन मके अनुसार लाल बहादुर सुत स्व०अंगनू निवासी ग्राम सैफुल्लागंज (टांटिया नगर) थाना गोसाईगंज जनपद सुलतानपुर के अनुसार उनकी संपूर्ण पुश्तैनी भूमि का फर्जीवाड़ा कर बैनामा बीते 2 जनवरी को भूमाफिया संदीप कुमार शुक्ला पुत्र शिवभूषण शुक्ला द्वारा कर लिया गया है, पीड़ित लाल बहादुर निषाद के अनुसार पिछले 1० दिन से तहरीर पर तहरीर गोसाईगंज थाने व नगर कोतवाली में देता चला आ रहा है, लेकिन अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं हो सकी है। उक्त फर्जी बैनामा प्रकरण को लेकर मोस्ट कल्याण संस्थान ने मांग की है कि पीड़ित लाल बहादुर निषाद का एफआईआर दर्ज कर फर्जीवाड़ा करने वाले दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाय एवं फर्जी बैनामा को रद्द कर उक्त भूमि पर लाल बहादुर निषाद का स्वामित्व किया जाय और पीड़ित लाल बहादुर निषाद परिवार की मानसिक प्रताड़ना व भाग दौड़ में हुए खर्च की सम्पूर्ण धनराशि को क्रेता से दिलवाना सुनिश्चित किया जाए। मोस्ट प्रदेश प्रमुख जीशान अहमद ने कहा कि यथाशीघ्र उपरोक्त मांगे पूरी नहीं हुई तो मोस्ट के लोग जिलाधिकारी कार्यालय गेट पर धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे। ज्ञापन देने वालों में पीड़ित लाल बहादुर निषाद, जनरल सेक्रेटरी राम उजागिर यादव, सह संयोजक अमृतलाल निषाद, जिला प्रमुख डा०गोविंद भगत, जिला महासचिव शिवराम गुप्ता, दिलीप निषाद, डा० राहुल निषाद, रमाकांत यादव, सुखराज निषाद सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोर लापता, गुमशुदगी दर्ज

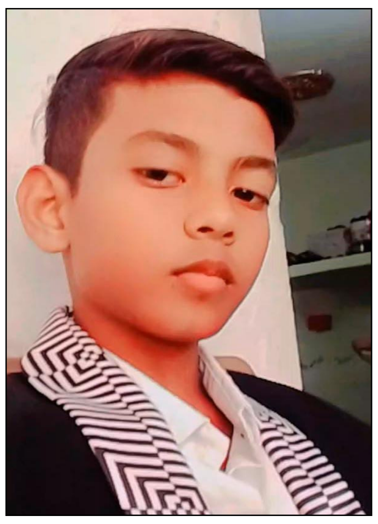

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर से मंगलवार शाम तीसरी का छात्र संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। काफी खोजबीन के बाद परिजनों ने उसकी गुमशुदगी सरोजनीनगर थाने में दर्ज कराई है। सरोजनीनगर के कानपुर रोड, एयरपोर्ट के पास आजाद नगर निवासी अब्दुल शरीफ उर्फ सन्नू के मुताबिक उनका 12 वर्षीय बेटा मोहम्मद इमरान खान पास के ही एक निजी स्कूल में कक्षा तीन का छात्र है। लेकिन करीब एक माह से वह स्कूल नहीं जा रहा था। सन्नू का कहना है कि मोहम्मद इमरान खान मंगलवार शाम करीब 6 बजे घर में बिना बताए कहीं चला गया। काफी देर तक जब वह वापस नहीं लौटा तो उसकी आसपास के अलावा रिश्तेदारी व परिचितों के यहां खोजबीन की गई। लेकिन उसका कहीं भी आता-पता नहीं चल सका। इसके बाद सन्नू ने इसकी सूचना सरोजनीनगर थाने में दी। फिलहाल सरोजनीनगर पुलिस ने सन्नू की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों के सहारे लापता मोहम्मद इमरान खान की तलाश शुरू कर दी है।

गणतंत्र दिवस पर आईटीआई थाने को राज्य के सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन के प्रमाणपत्र से नवाजा गया

काशीपुर। कानून व्यवस्था, इन्वेस्टिगेशन, अपराध नियंत्रण, जनता से उचित व्यवहार और स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण मानकों पर खरा उतरने पर गृह मंत्रालय भारत सरकार से आईटीआई थाने को राज्य के सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन के प्रमाणपत्र से नवाजा है। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की मौजूदगी में गणतंत्र दिवस की परेड में आईटीआई थाना प्रभारी प्रवीण सिंह कोश्यारी को इस अवार्ड से नवाजा। बता दें कि प्रवीण सिंह कोश्यारी को वर्ष 2०17 में भी ऋषिकेश के थानाध्यक्ष रहते हुए टॉप टेन में उत्कृष्ट थाने के प्रमाणपत्र से नवाजा जा चुका है। वहीं कोश्यारी ने कहा कि गृह मंत्रालय भारत सरकार की ओर से आईटीआई थाने को राज्य के सर्वश्रेष्ठ थाने के रूप में चुना जाना जिला ऊधमसिंह नगर के लिए गर्व की बात है। एसएसपी मणिकांत मिश्रा, एसपी अभय सिंह, सीओ दीपक सिंह, कोतवाली प्रभारी विक्रम सिंह राठौर, कुंडा थाना प्रभारी हरेंद्र चौधरी समेत तमाम पुलिस अधिकारियों ने थानाध्यक्ष को बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गणतंत्र दिवस पर खेल प्रतियोगिता का हुआ भव्य आयोजन

सुलतानपुर। जिला कबड्डी एसोसिएशन के तत्वाधान में गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर सब जूनियर बालक एवं बालिकाओं की एथलेटिक्स एवं कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन बाबा रामेश्वर दास खेलकूद प्रांगण श्याम नगर में संपन्न हुआ ! प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला ओलंपिक संघ के सचिव पंकज दूबे ने किया ! कबड्डी बालक वर्ग में फाइनल मुकाबला लखीपुर व अहिमाने के बीच खेला गया जिसमें अहिमाने विजेता और लाखीपुर उपविजेता रही ! वहीं बालिका वर्ग में श्याम नगर व बैजापुर के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया, जिसमें श्याम नगर की टीम विजेता व बैजापुर की उपविजेता रही !एथलेटिक्स के 6०० मीटर बालक वर्ग दौड़ में आकाश बौद्ध व बालिका वर्ग में शगुन मौर्य ने बाजी मारी ! कबड्डी एसोसिएशन के सचिव महेश कुमार की संयोजकता में आयोजित सभी विजेता खिलाड़ियों को विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश बड़ौदा बैंक अहिमाने के शाखा प्रबंधक रंजीत कुमार द्वारा मेडल व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया ! मुख्य अतिथि पंकज दूबे ने खिलाड़ियों का उत्सवर्धन करते हुए बताया कि खेलकूद वह औषधि है इसके सेवन करने से खिलाड़ी केवल एक अच्छा खिलाड़ी नहीं बल्कि उसके अंदर ईमानदारी एवं अनुशासन की भावना जागृत हो जाती है, यदि आप सब लोग ईमानदारी से मेहनत करे तो एक न एक दिन वह अवश्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर इस जनपद को नहीं बल्कि प्रदेश को गौरवान्वित करेंगे ! इस मौके पर जिला ओलंपिक संघ के उपसचिव अतुल कुमार श्रीवास्तव ,विशेष सहयोग के रूप में अवधेश मिश्रा, राकेश यादव संजू मिश्रा, उमाशंकर आदि खिलाड़ी व दर्शक मौजूद रहे!

पुलिस पर भारी पर रहे अपराधी

➲ अधिवक्ता की फिल्मी स्टाइल में की गयी हत्या ➲ कानून के रखवाले हो रहे अपराधियों के शिकार ➲ ला एण्ड आर्डर पर संकट बने अपराधी

बस्ती। जनपद में जिस तरह से अपराधी फिल्मी स्टाइल में हत्या की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं उससे यह कहना गलत नहीं होगा कि जनपद में अपराधी ला एण्ड आर्डर पर संकट बने हुए हैं और नई- नई घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। प्राप्त समाचार के अनुसार जनपद में घट रही आपराधिक घटनाएं जहाँ पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई हैं तो वहीं स्वच्छ समाज के लिए किसी कलंक से कम नहीं है । कानून के रखवाले जनपद के अधिवक्ता एवं बार एसोशिएसन के अध्यक्ष अधिवक्ता चन्द्रशेखर यादव की हत्या को पुलिसिया चूक एवं लापरवाही का परिणाम बता रहे हैं । वैसे बार एसोशियशन के अध्यक्ष यदि अधिवक्ता हत्याकाण्ड को सीधे पुलिसिया चूक बता रहे हैं तो कहीं न कहीं पुलिस को अपनी कार्य प्रणाली में सुधार व जनता का विश्वास बनाए रखते की जरूरत है । अपराधियों द्वारा जिस तरह गाजर मूली के तरीके से आम नागरिक रौंदे जा रहे हैं निश्चित रूप से जनता में पुलिस के प्रति नकारात्मकता को बढ़ावा मिल रहा है जिसे समाप्त कर ही स्वच्छ समाज की स्थापना की जा सकती है।

पूर्वांचल विकास बोर्ड के सदस्य व भाजपा नेता मुख्यमंत्री को लिखे पत्र

❑ किसानों का मुआवजा एन एच - 931 के लिए जमीन अधिग्रहण पर ढाई गुना बढ़ाने की मांग

अमेठी। जनपद में राष्ट्रीय राजमार्ग 931 के बाईपास निर्माण के लिए होने वाले भूमि अधिग्रहण में किसानों को मिल रहे कम मुआवजे को लेकर एक नया मोड़ आया है। बीजेपी नेता और पूर्वांचल विकास बोर्ड के सदस्य विजय विक्रम सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर किसानों की आवाज उठाई है।विजय विक्रम सिंह ने रविवार को लिखे पत्र में बताया कि संग्रामपुर विकास खंड के ठेंगहा, बदलापुर और सहजीपुर गांवों से गुजर रहे ह्ह्र-931 के बाईपास और चौड़ीकरण के लिए किसानों की जमीन का अधिग्रहण 2०17 के सर्किल रेट के हिसाब से किया जा रहा है। यह दर वर्तमान बाजार मूल्य की तुलना में बहुत कम है। उन्होंने चिंता जताई कि कई किसान इस अधिग्रहण के बाद भूमिहीन हो जाएंगे और उचित मुआवजा न मिलने से उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। वहीं मुवावजे के विरोध में किसान पहले से ही आंदोलन कर रहे हैं। स्थानीय किसानों ने इस मुद्दे पर दो बार विरोध प्रदर्शन भी किया है। किसानों का कहना है कि जब तक मुआवजे की दर में वृद्धि नहीं की जाती, उनका विरोध जारी रहेगा।बीजेपी नेता ने मुख्यमंत्री से मुआवजा राशि को कम से कम ढाई गुना बढ़ाने की मांग किया है और किसानों को आश्वासन दिया है कि मुख्यमंत्री इस समस्या का जल्द समाधान करेंगे। इस पत्र के बाद किसानों में उम्मीद की नई किरण जगी है कि उन्हें उनकी जमीन का उचित मूल्य मिल सकेगा।

रेलवे ट्रैक के किनारे मिला अज्ञात युवक का शव

अमेठी। जनपद में मंगलवार को सुबह दर्दनाक हादसा सामने आया जहां रेलवे ट्रैक किनारे एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया।शौच के लिए रेलवे लाइन तरफ गए ग्रामीणों की नजर जब शव पर पड़ी तो बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए और पुलिस को सूचना दी गई।घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की गई। पुलिस शव की पहचान कराने की भी कोशिश करने में जुटी रही लेकिन शव की पहचान नही हो पाई।पूरा मामला संग्रामपुर थाना क्षेत्र के लखनऊ वाराणसी रेल मार्ग स्थित मिश्रौली स्टेशन के नजदीक ठेंगहा पुल के पास का है। जहां मंगलवार को सुबह एक अज्ञात युवक का छत बिछत शव रेलवे लाइन के किनारे पड़ा था।शव की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई सूचना मिलते ही संग्रामपुर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों से शव के कपड़े से शिनाख्त करवाने की कोशिश की गई लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली।शव का चेहरा पूरी तरह से खराब होने के कारण शव की शिनाख्त करना मुश्किल रहा।प्रथम दृष्टया किसी ट्रेन से गिरकर मौत की आशंका जताई जा रही है।पूरे मामले पर संग्रामपुर थाना प्रभारी संदीप राय ने बताया की रेलवे ट्रैक के किनारे एक अज्ञात युवक का शव मिला है।चेहरा पूरी तरह से खराब है किसी ट्रेन से गिरकर मौत की आशंका है। फिलहाल शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है।शव को मोर्चरी के लिए भेजा गया है।

यूपीएस गजट जारी होने के विरोध में शिक्षकों और कर्मचारियों ने जलाई प्रतियां

बस्ती। टीचर्स एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन (अटेवा) /एनएमओपीएस के आहवान पर जिले के हज़ारों शिक्षकों कर्मचारियों ने अपने कार्यस्थल पर कार्य करते हुए केंद्र सरकार द्वारा 1अप्रैल 2०25 से लागू किए जाने वाले यूनिफाइड पेंशन स्कीम(यूपीएस)का गजट जारी होने पर प्रतियां जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अगुवाई कर रहे जिला संयोजक तौआब अली ने कहा कि यूपीएस में शिक्षकों कर्मचारियों का काटा गया फंड सरकार स्वयं अपने पास रख लेगी रिटायरमेंट के समय कर्मचारी के हाथ कुछ भी नहीं आएगा। जो कि उसके जीवन के साथ एक बड़ा मजाक होगा। इसलिए देश का शिक्षक कर्मचारी किसी भी कीमत पर इस लूट वाली पेंशन स्कीम को स्वीकार नहीं करेगा। हम सरकार से मांग करते हैं कि तत्काल इस गजट को वापस लेकर शिक्षकों कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल की जाए वरना अटेवा चुप नहीं बैठेगा। मंडलीय महामंत्री दीपक सिंह प्रेमी,मंडलीय आय व्यय निरीक्षक डॉ कमलेश चौधरी ने संयुक्त रूप से कहा कि इस व्यवस्था में वी आर एस लेने वालों को 6० वर्ष के बाद ही पेंशन प्राप्त हो सकेगा जो कि दोष पूर्ण है ।इसलिए हम सरकार से पुरानी पेंशन बहाली की मांग करते हैं। जिला महामंत्री विजय नाथ तिवारी जिला कोषाध्यक्ष अमर चंद व जिला मीडिया प्रभारी नीरज वर्मा ने कहा कि जब देश के कई राज्यों में पुरानी पेंशन योजना पुनः लागू कर दी गई है तो फिर उत्तर प्रदेश सरकार व केंद्र सरकार इससे पीछा क्यों खींच रही है ।अटेवा का समर्थन कर रहे माध्यमिक शिक्षक संघ एकजुट के प्रदेशीय कोषाध्यक्ष बिजेंद्र वर्मा, प्रदेशीय मंत्री ध्रुव नारायण चौधरी तथा जिला अध्यक्ष अजय कुमार वर्मा ने कहा कि अटेवा पुरानी पेंशन बहाली के लिए प्रतिबद्ध है और हमारा संगठन पेंशन बहाली की हर लड़ाई में उनके साथ है। कार्यक्रम में प्रमोद ओझा,बृजेश वर्मा, देवेंद्र तिवारी,अनीस अहमद,सुनील मौर्य, अमरनाथ चौधरी,सुरेन्द्र यादव,राहुल उपाध्याय, राकेश सिंह,विनोद वर्मा, जावेद इकबाल,संतोष यादव,श्रीनाथ,वीरेंद्र कुमार वर्मा,कैलाशनाथ, हरि सिंह, मोहम्मद सलाम, ज्ञानेन्द्र भारती, मनीष मिश्र,जितेंद्र वरुण, डॉ सुरेन्द्र प्रसाद,राजेश कुमार आर्य,संतोष प्रजापति,रमेश चंद्र गौतम,बासदेव ,अब्दुल कैयूम, मजहर आलम, पप्पू सक्सेना, धर्मेंद्र निषाद,राकेश कुमार मिश्र,अर्जुन प्रसाद,मनोज भास्कर, सुखराज गुप्ता, डॉ सत्यप्रकाश मौर्य,संजय यादव, प्रवेश चौधरी,अजीत कुमार वर्मा, अवधेश कुमार वर्मा,महेंद्र पटेल,फूलचंद्र चौधरी, अनिरुद्ध वर्मा,सहित अटेवा के सैकड़ों साथियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।

वेंडिंग जोन का किया जाएगा विकास

माडल बनेगा खैराबाद नगरपालिका

खैराबाद, सीतापुर। अब खैराबाद नगर पालिका परिषद को माडल के रूप में विकसित किया जाएगा। खैराबाद मोहल्ला कुलहन सरायं में खाली पड़ी भूमि पर अधिशासी अधिकारी प्रेम शंकर गुप्ता, नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अभिषेक गुप्ता व स्थानीय लेखपाल के साथ निरीक्षण खाली भूमि का निरीक्षण गया। अभिषेक गुप्ता ने बताया स्ट्रीट वेंडर को डवलप होने से स्थानीय पटरी दुकानदारो को रोजगार के अवसर मुहैया करवाये जाएंगे व जो रोड के आसपास पटरी ढेला लगने से शहर में जाम लगती है उससे निजात मिलेगी। अधिशासी अधिकारी प्रेम शंकर गुप्ता ने बताया इसमें स्ट्रीट वेंडर्स की सुविधा का खास ख्याल रखते हुए विकास कार्य कराए जाएंगे। जल्द ही हम जिला अधिकारी महोदय के पास प्रस्ताव भेजेंगे जिससे नगरपालिका के राजस्व व विकास को बल मिलेगा। वेंडिंग जोन को माडल रूप में विकसित करने की योजना है। इसमें स्ट्रीट वेंडर्स को बेहतर सुविधा मुहैया कराने के लिए ट्रेनिंग दी जा रही है। कूड़ा प्रबंधन, शौचालय, पेयजल, पार्किंग समेत अन्य मूलभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

महेंद्र अग्रवाल बने सेवा भारती के विभाग अध्यक्ष

सीतापुर। हेडगेवार भवन पर सेवा कार्यकर्ताओ की बैठक वरिष्ठ चिकित्सक एव संघ के विभाग संघ चालक माननीय डॉ हरपाल सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी ,बैठक में सीतापुर विभाग के सेवा क्षेत्र में कार्य करने वाले कार्यकर्त्ता सम्मिलित हुए , संघ की दृष्टि से सीतापुर विभाग में सीतापुर, बिसवां, लखीमपुर एवं गोला जिले आते हैं। वर्तमान कार्यो की चर्चा के साथ ही विभाग के जिलो में शहरी क्षेत्र के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्र मे सेवा बस्तियों का चयन कर उनमे सेवा कार्यो के विस्तार पर विस्तृत चर्चा हुयी, सीतापुर विभाग में सेवा कार्यो के विस्तार के लिए सेवा भारती सीतापुर ट्रष्ट का पंजीयन मुख्य ट्रस्टी मछरेहटा निवासी श्री राजकुमार गुप्ता जी द्वारा करवाया गया सीतापुर विभाग के समस्त सेवा कार्यो को इसी ट्रष्ट द्वारा संचालित किया जायेगा साथ ही सीतापुर विभाग की कार्यकारिणी का चुनाव भी किया गया ,जिनके नामो की घोषणा माननीय विभाग संघ चालक श्री डा हरिपाल सिंह जी द्वारा की गयी। लखीमपुर के डॉ ड़ी के वर्मा संरक्षक ,सीतापुर निवासी महेंद्र अग्रवाल को अध्यक्ष ,तम्बौर निवासी विजय वर्मा को उपाध्यक्ष, लखीमपुर निवासी अजय अग्रवाल को उपाध्यक्ष, लखीमपुर निवासी श्रीमती नमिता श्रीवास्तव को उपाध्यक्ष, मछरेहटा निवासी ज्ञानेंद्र सिंह को महामंत्री ,लखीमपुर निवासी शैलेश गुप्ता को कोषाध्यक्ष , शिखर सिंह को प्रचार प्रमुख एव श्रीमती मीता गर्ग को मातृमंडल प्रमुख व कुमारी सोनाली बाल्मीकि को किशोरी विकास प्रमुख चुना गया द्व इस अवसर पर संघ विभाग कार्यवाह कृष्ण कुमार ,जिला प्रचारक आकाश जी आदि की उपस्थिति रही। सेवा भारती वंचित, अभावग्रस्त, उपेक्षित , एव पीड़ित समाज के लिए शिक्षा , स्वास्थ्य , स्वाबलंबन व सामाजिक आयामों पर निस्वार्थ सेवा - निरंतर सेवा व जीवन निर्माण हेतु सेवा के सिद्धांत पर लगातार कार्य कर रहा है।

सुहेलदेव विश्वविद्यालय में कुलपति ने फहराया तिरंगा

आजमगढ़। महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय आजमगढ़ के परिसर में स्थित प्रशासनिक भवन के प्रांगण में 76 वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया।सर्वप्रथम डीएवी के सहयुक्त एन सी सी अधिकारी ले० डॉ० पंकज सिंह के निर्देशन में 99 यू पी बटालियन एन सी सी से 2-6 की गार्ड ने मा० कुलपति को सलामी शस्त्र और तिरंगे को जनरल सैल्यूट राष्ट्रगान के साथ झण्डा फहराया गया। मीडिया प्रभारी डॉ० प्रवेश कुमार सिंह ने अवगत कराया की विश्वविद्यालय परिसर एवं डी ए वी महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने एक से बढ़कर एक बेहतरीन सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर परिसर में उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। अपने उद्बोधन में विश्वविद्यालय के कुलपति जी ने सभी को 76बे गणतंत्र दिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं देते हुए भारत के संविधान के प्रति आस्था रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संविधान हो या लोकतंत्र यह हमारे देश की आत्मा है। संविधान के माध्यम से समूचे जनमानस के लिए ऐसी लक्ष्मण रेखा खींच दी गई है की जनमानस अपनी हद में रहकर राष्ट्र के निर्माण में अपना सर्वस्व न्योछावर करता रहे । माननीय कुलपति ने विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए चतुर्थ श्रेणी कर्मी दिलनवाज और एक तृतीय श्रेणी कर्मचारी चन्दन को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम के दौरान राजनीतिशास्त्र विभाग के द्वारा आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सफल छात्रों को भी मोमेंटो और प्रमाणपत्र देकर कुलपति जी द्वारा पुरस्कृत किया गया। डॉ प्रवेश कुमार सिंह द्वारा उपस्थित सभी सदस्यों को टी० वी० उन्मूलन की शपथ शपथ दिलवाकर जन जागरण का आह्वान किया ,टी० वी० रोग हम अपने जनपद से मुक्त करके ही दम लेंगे। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव विश्वेश्वर प्रसाद ने कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह में उपकुलसचिव केशलाल,सहायक कुलसचिव महेश श्रीवास्तव,अतिथि प्रवक्ता डॉ० त्रिशिका, डॉ० शुभम, डॉ॰ अग्रहरि ,डॉ॰ प्रियंका, डॉ॰ वैशाली, डॉक्टर हिमांशु डॉक्टर धीरज डॉक्टर योगेश डॉक्टर नितेश विपिन प्रियांशु अभिलाष चंदन रितेश भूपेंद्र धर्मेंद्र ऋषभ आदि के अलावा भारी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही ।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर पंकज सिंह एवं डॉ निधि ने किया।

'रामगोपाल वर्मा ने मेरा करियर खराब नहीं किया'

उर्मिला मातोंडकर बोलीं- नेपोटिज्म के कारण बर्बाद हुआ करियर, हमेशा आइटम गर्ल समझा गया

हाल ही में राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'सत्या' री-रिलीज हुई है। इस मौके पर एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर ने रामू के साथ लड़ाई की खबरों को महज अफवाह बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि उनका करियर रामगोपाल वर्मा के कारण नहीं, बल्कि नेपोटिज्म के कारण बर्बाद हुआ। उन्हें हमेशा ही आइटम गर्ल या फिर सेक्स साइरन के रूप में देखा गया। उर्मिला ने राम गोपाल वर्मा के साथ सत्या, जंगल, रंगीला और भूत जैसी फिल्मों में काम किया है। रंगीला बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही और इस फिल्म ने उर्मिला मातोंडकर को बॉलीवुड में 'रंगीला गर्ल' के तौर स्थापित कर दिया। इंडस्ट्री में ऐसी अफवाह थी कि एक्ट्रेस का रामू के साथ अफेयर चल रहा है जिस वजह से वो उनकी हर फिल्म में होती हैं। हालांकि, एक समय पर दोनों के बीच लड़ाई की खबरें आने लगीं। उर्मिला मातोंडकर ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि कई बेहतरीन फिल्में करने के बाद भी 90 के दशक में मीडिया सिर्फ उनके लुक और उनकी निजी जिंदगी के बारे में बात करती थी। लोगों को उनकी एक्टिंग के बजाय उनकी जिंदगी के हर पहलु में दिलचस्पी रहती थी। पिंजर, कौन, एक हसीना थी जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में काम करने के बावजूद भी उर्मिला मातोंडकर को बॉलीवुड में सिर्फ एक आइटम गर्ल ही समझा गया। उर्मिला कहती हैं- इंडस्ट्री में सिर्फ एक आइटम गर्ल और सेक्स साइरन के तौर पर देखा जाता था। मैं इंडस्ट्री से ताल्लुक नहीं रखती थी, जिसका मुझे खामियाजा उठाना पड़ा था। सत्या की री-रिलीज के मौके पर उर्मिला मातोंडकर ने एक बार फिर डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा और एक्टर मनोज बाजपेयी के साथ काम करने की इच्छा जताई है। अहंकार ने बर्बाद किया करियर आगे लिखा, श्मैं शराब के नशे में नहीं, बल्कि अपनी सफलता और अपने अहंकार के नशे में था, हालांकि, मुझे दो दिन पहले तक इसका एहसास नहीं था. श्रंगीलाश् और श्सत्याश् की रोशनी ने मुझे अंधा कर दिया और अपनी तकनीकी जादूगरी या कई अन्य चीजों का भद्दा प्रदर्शन करने को लेकर फिल्में बनाने में भटक गया, जो निरर्थक थीं. मैं एक सरल और सामान्य सत्य को भूल गया था कि तकनीक किसी दिए गए विषय को ऊपर उठा सकती है, लेकिन उसे आगे नहीं ले जा सकती. यही है सब कुछ खोने की वजह राम गोपाल वर्मा ने यह स्वीकार करते हुए कि उनकी बाद की कुछ फिल्में सफल रही होंगी, लेकिन उनमें से किसी में भी वह ईमानदारी और निष्ठा नहीं थी जो श्सत्याश् में थी, आगे कहा, श्मेरे शानदार नजरिए ने मुझे सिनेमा में कुछ नया करने के लिए प्रेरित किया, उसने मुझे अपने काम के मूल्य से भी अंधा कर दिया और मैं आसमान की ओर मुंह करके दौड़ने वाला वह शख्स बन गया, जो अपने पैरों के नीचे लगाए गए बगीचे को देखना ही भूल गया और यही मेरी गरिमा में आई गिरावट की वजह बन गई.श् निर्देशक ने आगे कहा, श्मैं अब जो कुछ भी कर चुका हूं, उसमें सुधार नहीं कर सकता. लेकिन मैंने दो रात पहले अपने आंसू पोंछते हुए खुद से वादा किया था कि अब से मैं जो भी फिल्म बनाऊंगा, वह उस सम्मान के साथ बनाऊंगा जिसके लिए मैं शुरू में निर्देशक बनना चाहता था. मैं श्सत्याश् जैसी फिल्म फिर कभी नहीं बना पाऊंगा, लेकिन ऐसा करने का इरादा ना रखना भी सिनेमा के खिलाफ एक अक्षम्य अपराध है. मेरा मतलब यह नहीं है कि मुझे श्सत्याश् जैसी फिल्में बनाते रहना चाहिए, लेकिन शैली या थीम से परे कम से कम उसमें श्सत्याश् की ईमानदारी होनी चाहिए.श् श्काश मैं समय में पीछे जाकर अपने लिए यह एक नियम बना पाता कि कोई भी फिल्म बनाने से पहले श्सत्याश् एक बार फिर देखनी चाहिए. अगर मैंने उस नियम का पालन किया होता तो मुझे यकीन है कि मैंने तब से अब तक जितनी भी फिल्में बनाई हैं, उनमें से 90 प्रतिशत फिल्में नहीं बनाई होती.श् उर्मिला के प्यार में थे दीवाने राम गोपाल वर्मा ने आखिर में कहा- श्आखिरकार, अब मैंने खुद से यह वादा किया है कि मेरे जीवन का जो भी थोड़ा सा समय बचा है, मैं उसे ईमानदारी से बिताना चाहता हूं और श्सत्याश् जैसा कुछ बनाना चाहता हूं और इस सत्य की मैं श्सत्यश् कसम खाता हूं.श्

आपको बता दें, राम गोपाल वर्मा किसी वक्त पर उर्मिला मातोंडकर के दीवाने थे. रिपोर्ट्स की मानें को वो उनकी खूबसूरती के इस कदर दीवाने थे कि एक कमरे में उनकी फोटोज लगा रखी थी. इसकी भनक जब इनकी बीवी को पड़ी तो उर्मिला को सरेआम थप्पड़ जड़ दिया था. कहा जाता है कि इसका असर एक्ट्रेस के करियर पर पड़ा. उन्होंने कहा, श्फिल्म बनाना जुनून की पीड़ा से पैदा हुए बच्चे को जन्म देने जैसा है, बिना यह जाने कि मैं किस तरह के बच्चे को जन्म दे रहा हूं. ऐसा इसलिए है क्योंकि एक फिल्म को टुकड़ों में बनाया जाता है, बिना यह जाने कि यह कब बनकर तैयार होगी. निर्माण के समय ध्यान इस बात पर होता है कि दूसरे इसके बारे में क्या कह रहे हैं और उसके बाद चाहे वह हिट हो या ना, हम आगे की कहानी के बारे में सोचने लग जाते हैं.श्विश्वासघात करने पर रोया राम गोपाल वर्मा ने आगे लिखा, श्दो दिन पहले तक, मैंने इसे एक उद्देश्यहीन अपनी यात्रा में एक और कदम मानकर इससे प्रेरित होने वाली अनगिनत प्रेरणाओं को अनदेखा कर दिया था. सत्या की स्क्रीनिंग के बाद होटल में वापस आकर, अंधेरे में बैठे हुए, मुझे समझ में नहीं आया कि अपनी तथाकथित बुद्धिमत्ता के बावजूद, मैंने इस फिल्म को भविष्य में जो कुछ भी करना चाहिए, उसके लिए बेंचमार्क क्यों नहीं बनाया. मुझे यह भी एहसास हुआ कि मैं सिर्फ उस फिल्म में हुई त्रासदी के लिए नहीं रोया था, बल्कि मैं अपने उस रूप के लिए खुशी से भी रोया था. मैं उन सभी लोगों के साथ विश्वासघात के अपराध बोध से भी रोया था, जिन्होंने श्सत्याश् के कारण मुझ पर भरोसा किया था.श

अक्षय कुमार इन दिनों फिल्म स्काई फोर्स को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी बीच एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया कि वह भूल भुलैया फिल्म के सिक्वल्स का हिस्सा क्यों नहीं बने। उन्होंने बताया कि उन्हें फिल्म से बाहर कर दिया गया था। पिंकविला के साथ बातचीत के दौरान एक फैन ने अक्षय कुमार से कहा कि उसने भूल भुलैया 2 और भूल भुलैया 3 सिर्फ इसलिए नहीं देखी, क्योंकि फिल्म में आप (अक्षय कुमार) नहीं थे। इसका जवाब देते हुए एक्टर ने कहा, श्बेटा, मुझे निकाल दिया था। बस इतना ही।श् इसके अलावा फिल्म हेरा फेरी 3 के बारे में बात करते हुए अक्षय कुमार ने कहा, श्मैं भी हेरा फेरी 3 शुरू होने का इंतजार कर रहा हूं। मुझे नहीं पता, लेकिन अगर सब कुछ ठीक रहा, तो इस साल फिल्म की शूटिंग शुरू हो सकती है।श् अक्षय ने आगे कहा, 'जब हमने हेरा फेरी शुरू की थी, तो नहीं पता था कि यह इतनी पॉपुलर हो जाएगी। जब मैंने फिल्म देखी थी, तो मुझे भी समझ नहीं आया था। हां, वह मजेदार थी। लेकिन हम में से किसी को भी यह नहीं लगा था कि बाबू भैया, राजू और श्याम के किरदार इतने पॉपुलर हो जाएंगे।' 24 जनवरी को रिलीज होगी 'स्काई फोर्स' अक्षय कुमार इन दिनों अपनी फिल्म स्काई फोर्स के प्रमोशन में बिजी हैं। यह फिल्म 24 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्देशन संदीप केलवानी और अभिषेक कपूर ने किया है। फिल्म 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की असली कहानी को दर्शाती है। फिल्म में अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया के अलावा सारा अली खान और निम्रत कौर भी हैं। इन फिल्मों में नजर आएंगे अक्षय कुमार अक्षय कुमार स्काई फोर्स के अलावा जॉली एलएलबी 3, हाउसफुल 5, और वेलकम टू द जंगल फिल्मों में भी नजर आएंगे। फिलहाल इस समय अक्षय हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला की भी शूटिंग कर रहे हैं।

उर्वशी रौतेला अपनी फिल्मों से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर ज्यादा सुर्खियों में छाई रहती हैं. जून 2024 में, एक्ट्रेस का एक प्राइवेट बाथरूम वीडियो ऑनलाइन लीक हुआ था जिसके बाद उर्वशी रौतेला विवादों में घिर गई. जल्द ही, सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई कि क्या लीक हुआ वीडियो प्राइवेसी का उल्लंघन था या पीआर स्टंट था. अपने मैनेजर के साथ उर्वशी की फोन कॉल रिकॉर्डिंग भी ऑनलाइन लीक हो गई थी. हालांकि, बाद में पता चला कि ये सब सिर्फ पब्लिसिटी स्टंट था और लीक हुआ बाथरूम सीन उनकी फिल्म घुसपैठिया का था. अब एक लेटेस्ट इंटरव्यू में इस पूरे मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी है. जानबूझकर लीक किया गया था बाथरूम वीडियो अपने एक लेटेस्ट इंटरव्यू में उर्वशी ने दावा किया कि वीडियो जानबूझकर लीक किया गया था क्योंकि निर्माताओं ने पहले ही उनसे इजाजत ले ली थी. कॉंट्रोवर्शियल प्रमोशनल स्टंट के पीछे के कारण का खुलासा करते हुए, रौतेला ने शेयर किया कि निर्माताओं ने उनसे रोते हुए कॉन्टेक्ट किया क्योंकि वे कर्ज में डूबे हुए थे और अपनी जमीन बेचने की कगार पर थे. सॉल्यूशन के लिए उन्होंने इस ऑप्शन का सहारा लिया. उन्होंने यह भी दावा किया कि यह लड़कियों को सावधान रहने के लिए जागरूक करने के लिए था. दरअसल बॉलीवुड बबल से बात करते हुए, उर्वशी रौतेला ने खुलासा किया, 卐उनको कुछ कर्ज आ गया था, और कुछ उधारी वगैराह में. उन्हें अपनी जमीन और सब कुछ छोड़ना पड़ा. वो सड़क पर आने वाले थे और इसलिए, वे आए और मेरे बिजनेस मैनेजमेंट, हेड और सभी के साथ इस पर चर्चा की.ष् क्यों किया गया था उर्वशी रौतेला का बाथरूम वीडियो लीक? उर्वशी ने आगे कहा, 卐और फिर, उन्होंने फिल्म में एक सीन करने के लिए हमारी परमिशन ली, कुछ खास नहीं किया था हमने. वो फिल्म में मेरा एक अच्छा सीन है. तो उन निर्माताओं की ये रिक्वेस्ट थी कि क्या हम इसको पहले लीक आउट कर सकते है. और यह एक तरह की जागरूकता भी थी कि लड़कियों को सावधान रहना होगा इसका मकसद खासतौर पर लड़कियों को सतर्क रहने के लिए जागरूकता पैदा करना भी था.ष् बता दें कि सुसी गणेशन द्वारा लिखित और निर्देशित क्राइम ड्रामा फिल्म घुसपैठिया 9 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इसमें विनीत कुमार सिंह, गोविंद नामदेव और अक्षय ओबेरॉय के साथ उर्वशी रौतेला भी हैं.

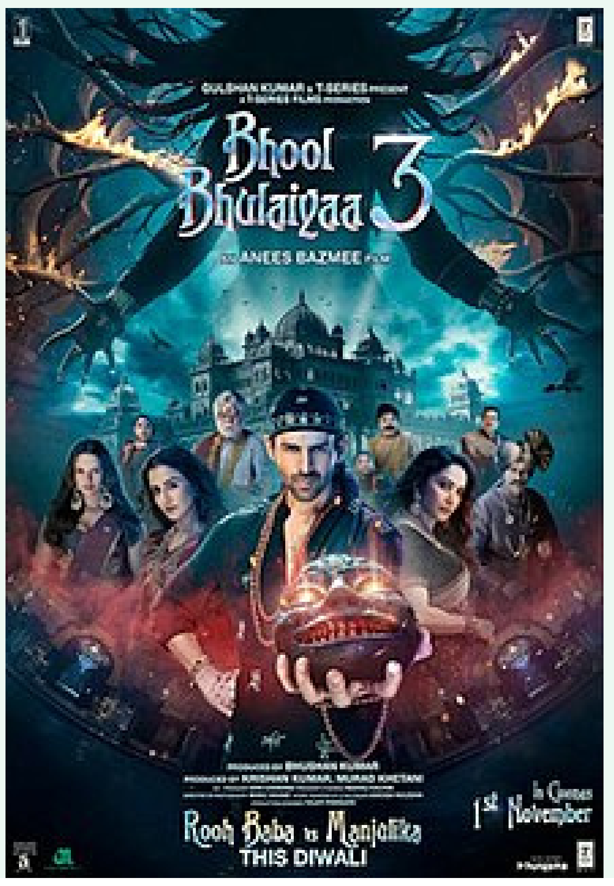

अर्शदीप सिंह रच सकते हैं इतिहास, बस करना होगा ये आसान सा काम

टीम इंडिया के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह इतिहास रच सकते हैं। दरअसल, अर्शदीप के लिए अभी तक ये सीरीज बेहद अहम रही है। वह इसी सीरीज में टी20 फॉर्मेट के भारत के सबसे कामयाब गेंदबाज बने। अब इस गेंदबाज की नजर पाकिस्तान के हारिस रऊफके वर्ल्ड रिकॉर्ड पर है जिससे वह महज दो विकेट दूर हैं।

भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टी20 मैच आज, यानी 28 जनवरी को राजकोट में खेला जाएगा। वहीं इस मुकाबले में टीम इंडिया के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह इतिहास रच सकते हैं। दरअसल, अर्शदीप के लिए अभी तक ये सीरीज बेहद अहम रही है। वह इसी सीरीज में टी20 फॉर्मेट के भारत के सबसे कामयाब गेंदबाज बने। अब इस गेंदबाज की नजर पाकिस्तान के हारिस रऊफ के वर्ल्ड रिकॉर्ड पर है जिससे वह महज दो विकेट दूर हैं। अर्शदीप सिंह ने अब तक इस सीरीज के दो मैचों में तीन विकेट अपने नाम किए हैं। राजकोट में अगर वह दो विकेट और झटक लेते हैं तो वह इस फॉर्मेट में विकेट्स का शतक पूरा कर लेंगे। साथ ही वह पाकिस्तानी ऑलराउंडर हारिस रऊफ का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी ध्वस्त कर देंगे। हारिस रऊफने पाकिस्तान के लिए 79 टी20 मैचों में 110 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने अपने करियर का 100वां टी20 विकेट 71वें मैच में झटका। वहीं अर्शदीप सिंह 62 मैचों में ही 98वें विकेट ले चुके हैं। राजकोट में दो विकेट लेकर वह टी20 में सबसे कम पारियों में 100 विकेट लेने का कारनामा कर डालेंगे। अर्शदीप पहले टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने थे। उन्होंने इस दौरान स्पिनर युजवेंद्र चहल का रिकॉर्ड तोड़ा था। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने भारत के लिए अब तक 80 टी20 मैचों में 96 विकेट अपने नाम किए हैं। उन्हें हाल ही में आईसीसी का साल का सर्वश्रेष्ठ टी20 अंतर्राष्ट्रीय पुरुष क्रिकेटर चुना गया।

टेस्ट में 10000 रन पूरे करने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बने स्टीव स्मिथ, विशेष सूची में शामिल

गाल। स्मिथ टेस्ट में 10000 रन पूरे करने के मामले में सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग और ब्रायन लारा जैसे दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए हैं। स्मिथ टेस्ट इतिहास में 10000 रन पूरे करने वाले दुनिया के 15वें बल्लेबाज हैं। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज और स्टैंड इन कप्तान स्टीव स्मिथ ने श्रीलंका के खिलाफगाल में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दौरान टेस्ट क्रिकेट में 10000 रन पूरे कर लिए हैं। वह टेस्ट में 10000 रन पूरे करने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए हैं। स्मिथ दूसरे ऐसे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हैं जिन्होंने सबसे तेजी से यह उपलब्धि हासिल की है। स्मिथ के ऐसा करते ही मैदान पर दर्शकों और श्रीलंकाई टीम के खिलाड़ियों ने ताली बजाकर उनका अभिवादन किया। यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के 15वें बल्लेबाज 35 वर्षीय स्मिथ टेस्ट में 10000 रन पूरे करने के मामले में सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग और ब्रायन लारा जैसे दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए हैं। स्मिथ टेस्ट इतिहास में 10000 रन पूरे करने वाले दुनिया के 15वें बल्लेबाज हैं। उनसे पहले एलन बॉर्डर, स्टीव वॉ और पोंटिंग ऑस्ट्रेलिया के ऐसे बल्लेबाज हैं जो इस उपलब्धि पर पहुंचे हैं। स्मिथ ने यह मुकाम 115 टेस्ट और 205 पारियों में हासिल किया है। ब्रायन लारा, सचिन और कुमार संगकारा ने 195 पारियों में टेस्ट में 10000 रन पूरे किए थे। सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्मिथ के टेस्ट का सफर 2010 में पाकिस्तान के खिलाफ शुरू हुआ था। उनका डेब्यू यादगार नहीं रहा था और उन्होंने दोनों पारियां मिलाकर 13 रन बनाए थे। हालांकि, समय बितने के साथ ही वह ऑस्ट्रेलिया के सफल बल्लेबाजों में शामिल हुए और मध्य क्रम में टीम के मजबूत बल्लेबाज के तौर पर उभरे। उनके नाम टेस्ट प्रारूप में 34 शतक हैं और वह सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले ऑस्ट्रेलिया के दूसरे बल्लेबाज हैं। उनसे ज्यादा शतक सिर्फ रिकी पोंटिंग ने लगाए हैं जिनके नाम टेस्ट में 41 शतक हैं। कमिंस की अनुपस्थिति में संभाल रहे कमान स्मिथ श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में पैट कमिंस की अनुपस्थिति में टीम की कमान संभाल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत को हराया था और विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले उसकी कोशिश श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में प्रभावित करने की होगी। ऑस्ट्रेलिया का जून में डब्ल्यूटीसी फाइनल में सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा।

अंकित राजभर का हरफ़नमौला प्रदर्शन, कृष्णा इंटरप्राइजेज़ की पिकैडली पैंथर पर 52 रन की रोमांचक जीत

➲ किरन फाउंडेशन के तत्वावधान में धरा वर्ल्ड द्वारा आयोजित अंडर-16 अर्जुन क्रिकेट लीग- सीजन 2 के बेहद रोमांचक मैच मे अंकित राजभर बने मैन आफ द मैच

तीसरा विकल्प न्यूज़- ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी मे किरन फाउंडेशन के तत्वावधान मे धरा वर्ल्ड द्वारा आयोजित अर्जुन क्रिकेट लीग अंडर-16 क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत आज खेले गये मैच मे कृष्णा इंटरप्राइजेज़ ने पिकैडली पैंथर को 52 रनो के अंतर से हराया । टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कृष्णा इंटरप्राइजेज़ की टीम ने निर्धारित 35 ओवरो मे से 34.4 ओवर मे सभी विकेट खोकर 202 रनो का मजबूत स्कोर खडा किया । शोएब ने एक छोर पर टिककर 68 गेंदो पर 8 चौकों तथा 2 छक्को की मदद से 64 रन बनाए, अंकित राजभर ने 25, निखिल कश्यप ने 19, अभय प्रताप तथा अक्षत सिंह प्रत्येक ने 11,11 रन बनाए । पिकैडली पैंथर की ओर से शुभम रावत ने 6 ओवरों में 39 रन देकर 3 विकेट लिए । श्लोक असथाना ने 39 रन देकर 2 तथा श्लोक तिवारी ने 52 रन देकर 2 विकेट लिए, एक एक विकेट अरुण यादव तथा कार्तिक कौशल को मिला । लक्ष्य का पीछा करने उतरी पिकैडली पैंथर की टीम बडे लक्ष्य के दबाव से उबर ना सकी तथा पूरी टीम 28.3 ओवरों मे 159 रनों पर आल आउट हो गयी । पुष्कर सिंह ने 45 गेंदो पर 7 चौकों की मदद से 43, तथा कार्तिक कौशल ने 27 गेंदो पर 6 चौकों की मदद से 31 रन, शिवा यादव ने 19 गेंदो पर 3 चौकों की मदद से 20, श्रेयांष आर्य ने 24 गेंदो पर 3 चौकों की मदद से 17, तथा प्रबलजीत ने 26 गेंदो पर 3 चौकों की मदद से 17 रन बनाकर पिकैडली पैंथर को लक्ष्य तक पहुचाने का भरसक प्रयास किया किन्तु अन्य बल्लेबाजों से अपेक्षित सहयोग नही मिल सका । कृष्णा इंटरप्राइजेज़ की ओर से गेंदबाज़ी करते हुए शुभम सिंह ने 6.3ओवर में 34 रन देकर 3 विकेट, अंकित राजभर ने 35 रन देकर 2 विकेट, अक्षत सिंह ने 37 रन देकर 2 विकेट लिए । अंकित राजभर को उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए मैन आफ द मैच घोषित किया गया ।

रणजी मुकाबले से पहले विराट कोहली ने किया अभ्यास, अरुण जेटली स्टेडियम में दिखे

विराट कोहली का रणजी ट्रॉफी 2024-25 में दिल्ली के लिए ग्रुप चरण का आखिरी मुकाबला खेलना तय हो गया है। दिल्ली की टीम ग्रुप चरण का आखिरी मुकाबला रेलवे के खिलाफ30 जनवरी से खेलेगी। ये मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होगा। मुकाबले से पहले कोहली अभ्यास के लिए अरुण जेटली स्टेडियम पहुंच गए हैं।

टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज विराट कोहली का रणजी ट्रॉफी 2024-25 में दिल्ली के लिए ग्रुप चरण का आखिरी मुकाबला खेलना तय हो गया है।

दिल्ली की टीम ग्रुप चरण का आखिरी मुकाबला रेलवे के खिलाफ 30 जनवरी से खेलेगी। ये मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होगा। मुकाबले से पहले कोहली अभ्यास के लिए अरुण जेटली स्टेडियम पहुंच गए हैं। स्टेडियम में पहुंचकर कोहली ने दिल्ली की टीम के साथ प्रैक्टिस शुरू कर दी है। इस दौरान की उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में कोहली टीम के साथ मैदान पर रनिंग कर रहे हैं तो उसके बाद वो नेट्स पर प्रैक्टिस भी करते हुए दिख रहे हैं। बता दें कि, बीसीसीआई की सख्त गाइडलाइंस के बाद टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं।

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी धरती पर भारत को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेली गई पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 3-1 से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। वहीं बीजीटी में विराट कोहली लगभग पूरी तरह से फ्लॉप दिखे थे। उन्होंने पहले टेस्ट को छोड़कर किसी टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। दिल्ली ने रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण का पहला मुकाबला सौराष्ट्र के खिलाफ खेला था। इस मुकाबले में कोहली गर्दन के दर्द के कारण नहीं खेल पाए थे। अब रेलवे के खिलाफ उनका खेलना तय माना जा रहा है।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टिकटों की बिक्री का ऐलान, जानें कब और कितनी कीमत में मिलेंगे टिकट

अगले महीने 19 फरवरी से आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज होने जा रहा है। इसके लिए आईसीसी ने इस टूर्नामेंट के लिए टिकटों की जानकारी सार्वजनिक कर दी है। आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले 19 फरवरी से 9 मार्च तक पाकिस्तान और सयुंकत अरब अमीरात में आयोजित किए जाएंगे। ग्रुप-स्टेज मुकाबलों और पाकिस्तान में दूसरे सेमीफाइनल के लिए टिकट मंगलवार 28 जनवरी की दोपहर 1.30 बजे भारतीय समयानुसार से सामान्य बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। फैंस आधिकारिक प्लेटफॉर्म के जरिए टिकट खरीद सकते हैं। जबकि फिजिकल टिकट 3 फरवरी से पाकिस्तान भर से जै एक्सप्रेस केंद्रों पर उपलब्ध होंगे। पाकिस्तान में सामान्य स्टैंड के लिए टिकट की कीमत 1 हजार पाकिस्तानी रुपये यानी करीब 310 भारतीय रुपये से शुरु है। इसमें प्रीमियम सीटिंग विकल्प 1,500 पाकिस्तान रुपये यानी करीब 464 भारतीय रुपये से उपलब्ध हैं। मैच कराची, लाहौर और रावलपिंडी में आयोजित किए जाएंगे। आगामी 20 और 23 फरवरी और 2 मार्च को दुबई में होने वाले भारत के ग्रुप-स्टेज मुकाबलों के विवरण की घोषणा जल्द की जाएगी। वहीं 9 मार्च को होने वाले फाइनल के लिए टिकट पहले सेमीफाइनल के बाद उपलब्ध होंगे। बता दें कि 15 मैच के इ टूर्नामेंट में टॉप 8 क्रिकेट देश 19 दिनों तक प्रतिस्पर्धा करेंगे।

इस दिल्ली टीम के साथ प्रैक्टिस करेंगे विराट कोहली, कोच ने किया खुलासा

विराट कोहली 13 साल के लंबे इतंजार के बाद 30 जनवरी को घरेलू क्रिकेट खेलते हुए दिखेंगे। कोहली रेलवे के खिलाफमैदान पर उतरेंगे। दिल्ली में होने वाले इस मुकाबले के लिए कोहली मंगलवार, 28 जनवरी से अभ्यास करेंगे। दिल्ली के कोच सरनदीप सिंह ने ये भी जानकारी दी है। वहीं केएल राहुल का नाम भी कर्नाटक की रणजी टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, उनके खेलने या ना खेलने के बारे में अभी स्थिति साफनहीं है। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया में टीम इंडिया की करारी शिकस्त के बाद सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य कर दिया गया है। बीसीसीआई की नई गाइडलाइंस के चलते ही रोहित शर्मा, ऋषभ पंत, शुभमन गिल, रविंद्र जडेजा, यशस्वी जायसवाल 23 जनवरी से खेले गए रणजी मुकाबलों में नजर आए थे। विराट कोहली तब गर्दन की चोट के कारण नहीं खेले थे। उन्होंने बीसीसीआई से मोहलत मांग ली थी। अब वे 30 जनवरी से होने वाले दिल्ली-रेलवे मैच में खेलेंगे। ये विराट कोहली का 2012 के बाद पहला रणजी मैच होगा। क्रिकइंफो के मुताबिक दिल्ली के कोच सरनदीप सिंह ने बताया कि कोहली मंगलवार से टीम के साथ अभ्यास शुरू कर देंगे। कोहली के प्रैक्टिस के फोटो पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर देखे गए हैं। कोहली इन तस्वीरों में पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ के साथ दिख रहे हैं। 30 जनवरी से रणजी ट्रफी के मौजूदा सीजन के आखिरी ग्रुप मैच खेले जाने हैं। इन मैचों के बाद विराट कोहली भारतीय टीम के साथ नजर आएंगे। फिलहाल, भारत और इंग्लैंड के बीच पहला वनडे मैच 6 फरवरी को खेला जाएगा।

राहुल हरियाणा के खिलाफरणजी ट्रॉफी मैच के लिए कर्नाटक की टीम में

बेंगलुरू । अनुभवी भारतीय बल्लेबाज लोकेश राहुल को कर्नाटक की टीम में शामिल किया गया जो 30 जनवरी से यहां शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी के अपने अंतिम लीग मैच में तालिका में शीर्ष पर काबिज हरियाणा का सामना करेगी। राहुल को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम ने खेलने के लिए हरी झंडी दे दी है। यह विकेटकीपर बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद कोहनी की चोट से उबर रहा था। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वह सभी पांच टेस्ट खेले थे। पीटीआई ने 21 जनवरी को बताया था कि राहुल रणजी ट्रॉफी के अंतिम लीग मैच में कर्नाटक के लिए खेलेंगे जो 2020 में कोलकाता में बंगाल के खिलाफखेलने के बाद उनका पहला रणजी ट्रॉफी मैच होगा। ऋषभ पंत, रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल और रविंद्र जडेजा जैसे भारत के अधिकांश सीनियर खिलाड़ी पिछले दौर में अपनी-अपनी घरेलू टीम के लिए खेले थे लेकिन राहुल पंजाब के खिलाफमैच में बाहर रहे जिसे कर्नाटक ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में पारी और 207 रन से जीता था। राहुल के मंगलवार से कर्नाटक की टीम के साथ ट्रेनिंग करने की उम्मीद है। टीम का नेतृत्व सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल कर रहे हैं। कर्नाटक के तेज गेंदबाजी आक्रमण को भी मजबूत मिली है क्योंकि विद्वथ कावेरप्पा की टीम में वापसी हुई है। कावेरप्पा चोट के कारण मौजूदा घरेलू सत्र के बड़े हिस्से से बाहर रह चुके हैं। कर्नाटक ग्रुप सी में 19 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है जबकि हरियाणा (26) और केरल (21) पहले दो स्थान पर हैं। नॉकआउट में जगह बनाने की उम्मीद जीवंत रखने के लिए कर्नाटक को अंतिम लीग मैच हर हाल में जीतना होगा।

भारतीय विमान रखरखाव, मरम्मत व संरक्षण राजस्व अगले वित्त वर्ष में 50: बढ़ने की उम्मीद: क्रिसिल

मुंबई। विमानन कंपनियों के अपने बेड़े का आकार बढ़ाने से पैदा हुई मांग के बीच भारतीय विमान रखरखाव, मरम्मत एवं संरक्षण (एमआरओ) उद्योग को अगले वित्त वर्ष में राजस्व 50 प्रतिशत बढ़कर 4,500 करोड़ रुपये तक पहुंच जाने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने सोमवार को तीन एमआरओ परिचालकों पर आधारित अध्ययन में यह बात कही। इन तीन एमआरओ परिचालकों की उद्योग के राजस्व में 90 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

भारत को जल्द मिलेगा नया सेबी चीफ, सरकार ने शुरू की तलाश

नयी दिल्ली। वित्त मंत्रालय द्वारा भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के नए चेयरमैन की तलाश शुरू कर दी गई है। इसकी वजह मौजूदा नियामक प्रमुख माधबी पुरी बुच का कार्यकाल 28 फरवरी को समाप्त होना है।

तीसरे टी20 में ऐसी हो सकती है भारत की प्लेइंग 11, हर्षिता राणा को मिल सकता है मौका तो शमी फिर बैठेंगे बाहर !

भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टी20 मुकाबला मंगलवार, 28 जनवरी को राजकोट में खेला जाएगा। ये मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे से खेला जाएगा। वहीं अभी तक पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारत दो मैच जीतने के बाद 2-0 से आगे चल रही है। अभी तक के मुकाबलों में टीम इंडिया गेंदबाजी, बल्लेबाजी और फील्डिंग तीन ही विभाग में इंग्लैंड से ऊपर रही है। भारत के युवा खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया है। पहले मैच में जहां अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती ने भारत को जीत दिलाई है। वहीं दूसरे मैच में तिलक वर्मा टीम के संकटमोचन बन कर आए। उन्होंने 72 रनों की पारी खेली और नॉटआउट लौटे। वहीं अब टीम इंडिया तीसरा टी20 मुकाबला जीतकर सीरीज में 3-0 से अजेय बढ़त लेना चाहेगी। फिलहाल जानें तीसरे टी20 में भारत की प्लेइंग इलेवन कैसी रहेगी। तीसरे टी20 मैच में ओपनिंग करने संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा उतर सकते हैं। अभिषेक ने पहले टी20 मैच में तूफानी 79 रनों की पारी खेली थी। संजू भी जरुरत पड़ने पर बड़ी पारी खेल सकते हैं। उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में दो शतक लगाए थे। तीसरे नंबर पर तिलक वर्मा का मौका मिल सकता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।